■ कार्तिक कृष्ण - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 93 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 26-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विकसित भारत के संकल्प के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही सरकार : योगी आदित्यनाथ

6 दस्तावेज 'लीक प्रकरण' इजरायल का अगला कदम क्या होगा

7 मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मैं 50 वर्ष बाद भी काम कर पाऊंगी : शबाना आजमी

फर्स्ट टेक

संदिग्ध रासायनिक रिसाव के कारण तमिलनाडु में स्कूली छात्र बीमार हुए

चेन्नई/भाषा। शहर के तिरुवोटियूर स्थित मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के परिसर में संदिग्ध रासायनिक रिसाव के कारण कुछ छात्र बीमार हो गए और तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कुछ छात्रों ने सांस लेने में कठिनाई और आंखों में जलन आदि की शिकायत की। कई अन्य छात्रों ने मतली की शिकायत की। इसके बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। बाद में एक छात्रा ने बताया कि ''सांस लेने में दिक्कत होने पर हममें से कुछ को ताजी हवा लेने के लिए कक्षा से बाहर भागना पड़ा। यहां तक कि हमारे शिक्षकों को भी सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। कुछ छात्र बेहोश भी हो गए थे, जिन्हें हमारे शिक्षक होश में लाए।'' उसने आगे बताया कि उसे मतली महसूस हो रही थी। कई छात्रों को घुटन महसूस होने के बाद स्कूल प्रबंधन को एंबुलेंस बुलानी पड़ी और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। स्कूल पहुंचे अभिभावकों ने भी अपने बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कई बच्चों का बाह्य रोगी के तौर पर उपचार किया गया। पुलिस ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि रासायनिक रिसाव स्कूल से हुआ या उस स्थान से हुआ जहां रासायनिक कारखाना स्थित है।

21वीं पशुधन गणना शुरू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने शुक्रवार को 200 करोड़ रुपए की लागत से 21वीं पशुधन गणना की शुरुआत की। गणना का काम अगले साल फरवरी तक पूरा होगा। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों की उपलब्धता से सरकार को पशुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और इस क्षेत्र में उद्य विकास हासिल करने के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। सिंह ने महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए भारत में पशु स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के मकसद से 2.5 करोड़ डॉलर की 'महामारी निधि परियोजना' भी शुरू की।

शुक्रवार को भी 25 से अधिक विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 25 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। 'इंडिगो' के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि कोझिकोड से दम्मम जाने वाली 6ई 87 उड़ान समेत सात उड़ानों को सुरक्षा से संबंधित सूचना मिली। सूत्रों ने कहा कि इंडिगो, विस्तारा और स्पाइसजेट की सात-सात उडा़नों जबकि एअर इंडिया की छह उड़ानों को धमकियां मिलीं।

प्रौद्योगिकी का विकास विज्ञान पर निर्भर करता है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरे विश्व के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र बन गया है

रायपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पूरे विश्व के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र बन गया है और यह उभरती हुई प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए व्यापक अवसर खोलेगी।

राष्ट्रपति ने इसके साथ ही यह भी कहा कि इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच इंजीनियरिंग क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसर खोलेगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि प्रौद्योगिकी का विकास विज्ञान पर निर्भर करता है। इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए आप सभी के लिए अत्याधुनिक तकनीक की जानकारी होना मददगार होगा। उन्होंने कहा कि 2024 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े दो भौतिक वैज्ञानिकों और चार रसायन विज्ञान वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्होंने कहा, इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच इंजीनियरिंग में नवाचार को प्रोत्साहित करेगा.. जिस तरह से औद्योगिक क्रांति ने मानव श्रम को मशीन सहायता और विस्तार प्रदान किया, उसी तरह एआई क्रांति मानसिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी। एआई पूरी दुनिया में प्राथमिकता बन गई है।

यूक्रेन, पश्चिम एशिया में संघर्ष चिंता का विषय,

शांति के लिए भारत हर योगदान को तैयार

भारत-जर्मनी के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष चिंता का विषय है और भारत शांति बहाली के लिए हरसंभव योगदान देने को तैयार है। उनकी टिप्पणी जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ हुई बातचीत के बाद आई, जिसमें उन्होंने भारत से यूक्रेन में लंबे समय से जारी संघर्ष का राजनीतिक समाधान खोजने में योगदान देने का आह्वान किया।

मोदी ने जर्मन चांसलर के साथ सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के बाद कहा, ''यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम दोनों के लिए चिंता के विषय हैं। भारत का हमेशा मत रहा है कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता और शांति की बहाली के लिए वह हरसंभव योगदान देने को तैयार है।''

आईजीसी में, दोनों पक्षों ने 18 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जिनमें आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता संधि और खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान तथा पारस्परिक सुरक्षा पर एक समझौता भी शामिल है।

परमाणु हथियारों का इस्तेमाल या इस्तेमाल की धमकी 'अस्वीकार्य' : भारत-जर्मनी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जर्मनी ने यूक्रेन में लंबे समय से जारी युद्ध और इसके गंभीर मानवीय परिणामों को लेकर ''गहरी चिंता'' व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इस बात पर सहमति जताई कि युद्ध के संदर्भ में परमाणु हथियारों का ''इस्तेमाल या इस्तेमाल की धमकी'' ''अस्वीकार्य'' है। दोनों नेताओं ने यहां सातवीं भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईसीजी) बैठक की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि उन्होंने आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के सभी रूपों की ''स्पष्ट रूप से निंदा'' की।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान पर समझौता इस दिशा में एक नया कदम है। आज हस्ताक्षरित पारस्परिक कानूनी सहायता संधि आतंकवाद तथा अलगाववादी तत्वों से निपटने के हमारे संयुक्त प्रयासों को और मजबूत करेगी।'' मोदी ने कहा कि भारत और जर्मनी हरित एवं सतत विकास के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता पर लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम अपनी हरित और सतत विकास भागीदारी को आगे बढ़ाते हुए हरित नगरीय गतिशीलता साझेदारी के दूसरे चरण पर सहमत हुए हैं। इसके अलावा, हरित हाइड्रोजन प्रारूप की भी शुरुआत की गई है।'' मोदी ने कहा कि वह और शोल्ज इस बात पर सहमत हैं कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है।''

जर्मन चांसलर का शनिवार को गोवा जाने का कार्यक्रम है जहां जर्मनी के नौसैनिक जहाजों ने हिंद महासागर में समुद्री साझेदारी अभ्यास में भागीदारी की है।

दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के आठ शूटर गिरफ्तार किए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके कम से कम सात कथित शूटर गिरफ्तार कर लिये जो राजस्थान के एक पूर्व विधायक के रिश्तेदार को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक अलग लेकिन संबंधित घटना में, दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई और काला जठेड़ी गिरोह के एक अन्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

यह गिरफ्तारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को मुंबई में सनसनीखेज हत्या के कुछ दिन बाद हुई है। बिश्नोई गिरोह ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) प्रतीक्षा गोदारा ने बताया कि सातों आरोपियों की पहचान रितेश, सुखराम, साहिल, अमर, बादल, प्रमोद और संदीप के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि हालांकि पुलिस को अभी तक सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनके संबंध नहीं मिले हैं, लेकिन आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा

जम्मू-कश्मीर में आतंकी तंत्र को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर/भाषा। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम. वी. सुचिन्द्र कुमार ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति, समृद्धि और सुरक्षा का बेहतर माहौल सेना और अन्य एजेंसियों के ठोस और समन्वित प्रयासों का नतीजा है।

कश्मीर में आतंकवादी हमलों में हाल में हुई वृद्धि पर उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को श्रीनगर में एकीकृत मुख्यालय की बैठक में इस संबंध में चर्चा की गई और रणनीति तैयार की गई। लेकिन उन्होंने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने हालांकि कहा कि हिंसा के चक्र को तोड़ने, आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को समाप्त करने, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा की सुविधा प्रदान करने, खेलों को बढ़ावा देने और क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

सेना के कमांडर ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''इस रणनीति का मूल उद्देश्य नागरिकों और सैनिकों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, साथ ही राष्ट्रवादी और मुख्यधारा की सोच को प्रोत्साहित करना है, खासकर युवाओं के बीच।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में 720 आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जहां तक बचे हुए आतंकवादियों का सवाल है, विभिन्न एजेंसियां आंकड़े अद्यतन करती रहती हैं। यह 120 से 130 के बीच है। अब भर्ती के आंकड़े एकल अंकों में हैं... और यह अपने सबसे निचले स्तर पर है।'' उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोधी तंत्र और आंतरिक इलाकों में आतंकवाद रोधी अभियानों से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास का माहौल बना है।

कुमार ने कहा, ''हमारी सफलताओं से दुश्मन हताश है। उनका उद्देश्य आतंकवादियों को सीमा पार कराना है, लेकिन हमने घुसपैठ के प्रयासों को विफल कर दिया है। उनका लक्ष्य लोगों में भय पैदा करना है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।'' उन्होंने कहा कि शांति, समृद्धि और बेहतर सुरक्षा स्थिति भारतीय सेना और अन्य सभी एजेंसियों और हितधारकों के ठोस और समन्वित प्रयासों के कारण है।

पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में

भारत, चीन ने दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में टकराव वाले दो बिंदुओं से सैनिकों की वापसी शुरू कर दी है और यह प्रक्रिया 28-29 अक्टूबर तक पूरी होने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कुछ दिन पहले दोनों देशों के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर समझौता हुआ था जो चार साल से अधिक समय से जारी गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

सूत्रों ने कहा कि सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टकराव वाले दोनों बिंदुओं पर गश्त शुरू होगी और दोनों पक्ष अपने-अपने सैनिकों को हटाकर अस्थायी ढांचों को नष्ट कर देंगे। उन्होंने कहा कि अंतत: गश्त का स्तर अप्रैल 2020 से पहले के स्तर पर पहुंच सकता है।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि समझौता रूपरेखा पर पहली बार राजनयिक स्तर पर सहमति बनी थी और फिर सैन्य स्तर की वार्ता हुई। उन्होंने कहा कि कोर कमांडर स्तर की बातचीत में समझौते के महत्वपूर्ण पहलुओं पर काम हुआ।

दोनों पक्षों के बीच समझौतों का पालन करते हुए भारतीय सैनिकों ने इन क्षेत्रों से साजो-सामान वापस लाना शुरू कर दिया है।

जून 2020 में गल्वान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच भीषण संघर्ष के बाद संबंधों में तनाव आ गया था। यह पिछले कुछ दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

न्याय की देवी मूर्ति के कई हाथ होने चाहिए थे और उनमें हथियार होने चाहिए थे : मीनाक्षी लेखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेखी की यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय में नई 'न्याय की मूर्ति' लगाये जाने के कुछ दिनों बाद आई है। न्यायाधीशों के पुस्तकालय में छह फुट ऊंची यह नई मूर्ति लगायी है जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में संविधान है। उसके हाथ में तलवार नही है। पारंपरिक सफेद पोशाक पहनी इस नई 'न्याय की देवी' की आंखों पर से पट्टी हटा दी गयी है और उसके हाथों में तलवार भी नहीं है। उसके सिर पर एक मुकुट है।

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कुछ शक्तियों द्वारा देश को अस्थिर करने के लिए जाति और धर्म को हथियार बनाये जाने पर शुक्रवार को चिंता जताई और कहा कि वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए उच्चतम न्यायालय में 'न्याय की देवी' की नई मूर्ति के कई हाथ होने चाहिए थे और उन हाथों में हथियार होने चाहिए थे।

लेखी की यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय में नई 'न्याय की मूर्ति' लगाये जाने के कुछ दिनों बाद आई है। न्यायाधीशों के पुस्तकालय में छह फुट ऊंची यह नई मूर्ति लगायी है जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में संविधान है। उसके हाथ में तलवार नही है। पारंपरिक सफेद पोशाक पहनी इस नई 'न्याय की देवी' की आंखों पर से पट्टी हटा दी गयी है और उसके हाथों में तलवार भी नहीं है। उसके सिर पर एक मुकुट है।

यहां चाणक्य रक्षा संवाद 2024 को संबोधित करते हुये लेखी ने कहा, ''नई मूर्ति को लेकर विवाद चल रहा है। कुछ लोग कह रहे हैं कि यह एकतरफा फैसला था। मैं इसे पूरी तरह से व्याख्या कहूंगी।''

पेशे से वकील लेखी ने यह भी कहा कि पुरानी मूर्ति भारतीय परिप्रेक्ष्य से न्याय की देवी या न्याय की अवधारणा को प्रतिबिंबित नहीं करती है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, कोई यह कह सकता है कि नवीनतम घटनाक्रम सकारात्मक है। मैं यहां तक कहूंगी कि इसे बदलने के बजाय, हम इसकी एक आंख पर पट्टी बांध सकते थे... हम तलवार भी रख सकते थे।'' लेखी ने कहा, ''हम देवी को कई भुजाओं के साथ देखने के आदी हैं। इसलिए, हम नई मूर्ति को कई भुजाएं दे सकते थे और समाज की वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए उसे और अधिक हथियारबंद कर सकते थे।'' उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''हम उसे इससे निपटने के लिए एक मोबाइल फोन और इंटरनेट भी दे सकते थे।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने खालिस्तानी चरमपंथियों को मौन समर्थन देने के लिए कनाडा पर भी परोक्ष हमला किया और कहा कि अगर किसी देश की धरती का इस्तेमाल दूसरे देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जाता है, तो इसे ''राज्य प्रायोजित आतंकवाद'' कहा जाता है।

भारत के सामने मौजूद आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों पर लेखी ने कहा, ''जाति, धर्म, रंग या लिंग, आप जो भी सोचते हैं, उसे हथियार बनाया जा सकता है, और यही वह चीज है जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियां जूझ रही हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं हो रहा है, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के भीतर भी हो रहा है जिसका उद्देश्य 'अंतिम नियंत्रण' है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया

रूस जल्द ही उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस इस सप्ताह के अंत में यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में तैनात कर देगा। पश्चिमी देशों ने चेतावनी दी है कि इस तरह के घटनाक्रम से लगभग तीन साल से जारी युद्ध को और बढ़ावा मिलेगा तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक इसके भू-राजनीतिक परिणाम होंगे।

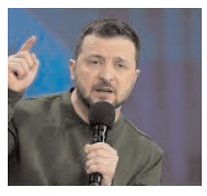

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने पता लगाया है कि रविवार और सोमवार के बीच रूस द्वारा उत्तर कोरियाई सेना की पहली टुकड़ी का इस्तेमाल युद्ध क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा कि यह तैनाती ''रूस द्वारा स्पष्ट रूप से बढ़ाया गया कदम है।'' जेलेंस्की ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को कहां भेजा जा सकता है। इस बीच, यूक्रेन के खुफिया निदेशालय ने कहा कि बुधवार को उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क क्षेत्र में दिखाई दिए।

जीयूआर के नाम से जाने जाने वाले यूक्रेन के मुख्य खुफिया निदेशालय ने बृहस्पतिवार देर रात एक बयान में कहा कि सैनिकों ने पूर्वी रूस के ठिकानों पर कई हफ्तों का प्रशिक्षण लिया है और आगामी सर्दियों के लिए वे कपड़ों से सुसज्जित हैं। ऐसा अनुमान है कि प्योंगयांग द्वारा रूस भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों की संख्या लगभग 12,000 है, जिनमें लगभग 500 अधिकारी और तीन जनरल शामिल हैं। जीयूआर ने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

यूक्रेन में रूस पूर्वी मोर्चे पर भीषण अभियान चला रहा है, जिससे धीरे-धीरे कीव को मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। लेकिन लगभग तीन महीने पहले हुई घुसपैठ के बाद रूस को अपने कुर्स्क सीमा क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को बाहर निकालने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

अंतरिक्ष में फंसे चार अंतरिक्षयात्री धरती पर लौटे

केप कैनावेरल (अमेरिका)/एपी। बोइंग के 'कैप्सूल' में खराबी आ जाने और तूफान 'मिल्टन' की वजह से करीब आठ महीने अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताने के बाद चार अंतरिक्ष यात्री शुक्रवार को धरती पर लौट आए। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सप्ताह के मध्य में रवाना होने के बाद 'स्पेस एक्स' के कैप्सूल में लौटे ये अंतरिक्ष यात्री पैराशूट की मदद से फ्लोरिडा के तट के पास मैक्सिको की खाड़ी में उतरे।

इन तीन अमेरिकी और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री को दो महीने पहले ही धरती पर लौटना था। लेकिन बोइंग के नए 'स्टारलाइनर अंतरिक्ष कैप्सूल' में समस्या आ जाने के कारण उनकी वापसी में देरी हुई। सुरक्षा चिंताओं के कारण 'स्टारलाइनर अंतरिक्ष कैप्सूल' खाली ही लौटा। इसके बाद तूफान 'मिल्टन' की वजह से समुद्र में खराब हालात और तेज हवाओं के कारण भी उनकी वापसी में दो सप्ताह की देरी हुई। 'स्पेस एक्स' ने मार्च में नासा के मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बैरेट और जीनेट एप्स और रूस के एलेक्जेंडर ग्रेबेंकिन को अंतरिक्ष भेजा था।

26-10-2024 सूर्यास्त 5:44 बजे | 27-10-2024 सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
79,402.29	24,180.80
(-662.87)	(-218.60)

सोना	चांदी
8,200 रु.	110,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचित्र दौर

कौन सहिष्णु आज यहां है,
सारे ही तो उबल रहे।
अवसरवादी नेता अब भी,
पाले अपने बदल रहे।
सब बस अपनी-अपनी कहने,
बल खा-खा कर मचल रहे।
समझदार तो चुप-चुप बैठे,
टुच्चे-मुच्चे उछल रहे।।

दो बच्चों का अपहरण : तकनीकी निगरानी तंत्र की मदद से अपहरणकर्ताओं को पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बेलगावी शहर में एक कारोबारी के दो बच्चों का उनके घर से कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिन बच्चों का अपहरण किया गया उनमें से एक चार वर्षीय लड़की है और एक तीन वर्षीय लड़का है। उसने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दो व्यक्ति घर में घुसते और उन्हें लेकर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके माता-पिता को सौंप दिया है, जबकि कथित अपहरण में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उसके अनुसार, घटना बृहस्पतिवार दोपहर की है जब दोनों बच्चे स्कूल से लौटे और घर की बैठक में खेल रहे थे। उस समय घर पर केवल उनकी दादी थीं। पुलिस ने बताया कि तीसरा आरोपी घर से कुछ दूर कार लेकर इंतजार कर रहा था जबकि दो आरोपियों ने बच्चों को पकड़ कर वाहन में डाला और भाग गए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी तंत्र की मदद से पता लगा लिया कि संदिग्ध आरोपी किस मार्ग से गए थे। इसके बाद पड़ोसी जिले की पुलिस से तुरंत संपर्क साधा गया। उन्होंने कहा, तकनीकी निगरानी तंत्र की मदद से पुलिस दल ने वाहन का पीछा किया और शुक्रवार की सुबह करीब चार बजकर 25 मिनट पर बेलगावी जिले के कोहल्ली के पास वाहन को रोक लिया गया।''

अधिकारी ने कहा, दोनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया। उन्हें कोई चोट नहीं आई है और वाहन में सवार तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, आरोपियों में से एक ने खुलासा किया कि उसने कारोबारी के ट्रेडिंग मंच में निवेश किया था और उसे भारी नुकसान हुआ था। अधिकारी ने बताया कि जब उसने कारोबारी से एक करोड़ रुपये मांगे, तो उसने देने से मना कर दिया इसलिए उसने बच्चों का अपहरण करने की साजिश रची।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विश्वास जताया कि

महायुति शानदार बहुमत के साथ सत्ता में बना रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि 'महायुति' गठबंधन अपनी सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यों की बदौलत शानदार बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में बना रहेगा।

शिंदे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना जल्द ही उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करेगी। पार्टी ने 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए इस सप्ताह की शुरुआत में 45 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें शिंदे को ठाणे शहर के कोपरी-पंचपाखड़ी निर्वाचन क्षेत्र से तथा आधा दर्जन से अधिक कैबिनेट सदस्यों को उनकी संबद्ध सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम अपने विकास कार्यों और कल्याणकारी पहल की बदौलत भारी बहुमत के साथ सत्ता में बने रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''सीट बंटवारे को लेकर महायुति सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है और सभी चर्चाएं आम सहमति से हो रही हैं।''

महायुति में शिवसेना के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या उनकी पार्टी या प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी शिंदे ने कहा, ''धनुष-बाण (शिंदे नीत शिवसेना का चुनाव चिह्न) और जलता हुआ मशाल (शिवसेना-यूबीटी का चुनाव चिह्न) के बीच लोकसभा चुनाव में ही निर्णय हो गया था।''

उन्होंने कहा कि शिवसेना ने जितनी सीट पर उम्मीदवार उतारे थे उनमें से 47 प्रतिशत पर जीत दर्ज की थी जबकि शिवसेना (यूबीटी) ने जितनी सीट पर प्रत्याशी उतारे थे उनमें से 40 प्रतिशत सीट पर जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) ने अधिक सीट पर उम्मीदवार उतारे थे और झूठा विमर्श फैलाया था, इसके बावजूद भी उनकी हार हुई।

शिंदे ने कहा, ''हमारी प्यारी बहनें हमें - अपने भाइयों को - समर्थन देंगी और विपक्ष को सरकार बनाने नहीं देंगी, जो लाडकी बहिन योजना को खत्म करना चाहता है।'' उन्होंने कहा, ''(शिवसेना-यूबीटी प्रमुख) उद्धव ठाकरे ने कहा है कि एमवीए (महा विकास आघाडी) इस योजना को बंद कर देगा और महायुति की अन्य पहल को रोक देगा, लेकिन लोग उन्हें यह मौका नहीं देंगे।''

राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होना है और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

प्रख्यात भौतिकीविद रोहिणी गोडबोले का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रख्यात भौतिकीविद और पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर रोहिणी एम गोडबोले का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 71 साल की थीं। यहां भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के 'सेंटर फोर हाई एनर्जी फिजिक्स (सीएचईपी)' ने यह जानकारी दी। गोडबोले एक प्रतिभाशाली अनुसंधानकर्ता एवं विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की पैरोकार थीं। वह 1995 में एसोसिएट प्रोफेसर के तौर पर सीएचईपी से जुड़ीं और 1998 से वह वहां प्रोफेसर थीं। 31 जुलाई, 2021 को सेवानिवृत के उपरांत वह मानद प्रोफेसर बन गयीं। उनके कई विद्यार्थियों एवं सहयोगियों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (कानपुर) के 'थ्योरिटकल फिजिक्स' के प्रोफेसर जयदीप चक्रवर्ती ने 'एक्स' पर लिखा, ''यह न केवल एचईपी समुदाय के लिए बल्कि भौतिकी के लिए भी बहुत बड़ी क्षति है...उन्हें एक महान भौतिकीविद और एक शिक्षक के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने युवाओं को अनुसंधान में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।'' टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान के विजया राघवन ने 'एक्स' पर कहा कि वह ऊर्जा और उत्साह से भरी रहती थीं। उन्होंने लिखा, ''वह एक भौतिकीविद, विज्ञान में महिलाओं के लिए ध्वजवाहक और कई लोगों की मित्र थीं। उनकी काफी कमी खलेगी और उनकी जगह कोई नहीं ले सकता।'' आईआईएससी में उनके सहकर्मी अरिंदम घोष के अनुसार, गोडबोले एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक से कहीं बढ़कर थीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, वह एक नेता थीं और विज्ञान में महिलाओं की प्रबल समर्थक थीं। वह एक ऐसी दोस्त थीं, जिनकी कमी खलेगी।'' आईआईएससी (बेंगलूरु) के अलावा, रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने भी प्रोफेसर गोडबोले के लिए शोक संदेश जारी किया। संस्थान के आधिकारिक हैंडल पर किये गये पोस्ट में लिखा गया, ''हम प्रोफेसर रोहिणी गोडबोले के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।'' रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट बुनियादी विज्ञानों में शोध करता है। शुक्रवार को सीएचईपी के भौतिक विज्ञान सभागार में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंगलूरु में हत्या के मामले में 30 वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने हत्या के एक मामले में 30 वर्ष से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि 12 मार्च 1995 को सुरतकल पुलिस थाना क्षेत्र में एक निर्माण स्थल पर सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात नारायण की दो लोगों ने हत्या कर दी और भाग गए। पुलिस जांच में आरोपियों की पहचान अछन कुंजू और जोस कुट्टी पप्पाचन के रूप में की गई। उन्हें पकड़ने की जिम्मेदारी केंद्रीय अपराध शाखा को सौंप दी गई।

अपराध शाखा को पता चला कि आरोपियों में से एक अछन कुंजू की लगभग आठ साल पहले मौत हो गई। जोस कुट्टी ठिकाने बदलता रहा, लेकिन 23 अक्टूबर को अपराध शाखा की टीम ने उसे एर्नाकुलम जिले के त्रिपुनीथुरा से गिरफ्तार कर सुरतकल पुलिस को सौंप दिया।

कांग्रेस की सीईसी ने महाराष्ट्र के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर शुक्रवार को चर्चा की।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित सीईसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले और महाराष्ट्र से जुड़े कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी सूची शुक्रवार रात अथवा शनिवार को जारी हो सकती है।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टिवार और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल थे। कई दिनों के गतिरोध के बाद, महा विकास आघाडी (एमवीए) ने बुधवार को 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर फॉर्मूले की घोषणा की थी। इसके तहत शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा (एसपी) के 85-85 सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की गई थी, जबकि अंतिम समझौते पर मुहर लगाने के लिए विचार-विमर्श अब भी जारी है। तीनों सहयोगी दल शेष 33 सीट आपस में तथा छोटे दलों के बीच बांटने पर चर्चा कर रहे हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने संकेत दिया था कि एमवीए के सहयोगी दल आपस में कुछ सीट की अदला-बदली कर सकते हैं।

आरबीआई ने यूएई एक्सचेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है।

केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सेंटर एलएलसी (यूएईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूएईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालक (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए 'ओवरसीज प्रिंसिपल' के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया था। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालक का सीओए नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

होंडा कार्स ने खराब फ्यूल पंप ठीक करने को 2,204 अतिरिक्त गाड़ियों को वापस मंगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। होंडा कार्स इंडिया चुनिंदा मॉडलों में खराब फ्यूल पंप को बदलने के लिए 2,204 अतिरिक्त गाड़ियों को वापस मंगा रही है। इसके साथ ही वापस मंगाई गई कुल गाड़ियों की संख्या बढ़कर 92,672 हो गई है। कंपनी ने इससे पहले खुद पहल करते हुए 90,468 पुरानी गाड़ियों में फ्यूल पंप को बदलने की घोषणा की थी।

कार विनिर्माता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''अभियान में पुराने मॉडलों की 2,204 गाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें पहले कल-पुर्जे के रूप में यह हिस्सा बदला गया है।'' इन वाहनों में लगाए गए फ्यूल पंप में दोषपूर्ण इंपेलर हो सकते हैं, जिनकी वजह से भविष्य में इंजन को बंद या स्टार्ट करने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। होंडा कार्स इंडिया ने कहा कि पांच नवंबर, 2024 से चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में फ्यूल पंप को बिना कोई धनराशि लिए बदला जाएगा। इस सिलसिले में कार मालिकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जा रहा है। कंपनी अपने ताजा अभियान में एकॉर्ड, अमेज, ब्रियो, बीआर-वी, सिटी, सिविक, जैज और डब्ल्यूआर-वी जैसे मॉडलों की 2,204 इकाइयों को वापस मंगा रही है।

यातायात पुलिसकर्मी ने रोकने की कोशिश की तो कार चालक ने बोनट पर लटकाकर घसीटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। ड्यूटी पर तैनात एक यातायात पुलिस अधिकारी ने जब नियमित जांच एवं सत्यापन के लिए एक कार को रोकने की कोशिश की तो उसके चालक ने अधिकारी को बोनट पर लटकाकर कई मीटर तक घसीटा। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना बृहस्पतिवार को जिला मुख्यालय स्थित सह्याद्री कॉलेज के पास हुई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है।

पुलिस ने बताया कि यातायात पुलिसकर्मी द्वारा कार को रोकने का प्रयास किए जाने पर चालक ने पहले तो वाहन की रफ्तार को धीमा किया लेकिन अचानक गति बढ़ा दी जिसके कारण कार के आगे खड़े पुलिसकर्मी को कूदकर बोनट पर चढ़ना पड़ा।

उसने बताया कि कार चालक ने बोनट से चिपके पुलिसकर्मी को कई मीटर तक घसीटा और उसके बाद उसने कार रोकी और फिर भाग गया। पुलिस ने बताया कि उसने मामला दर्ज कर लिया है। उसने बताया कि चालक की पहचान केबल ऑपरेटर मिथुन जगदले के रूप में की गई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोप्पल जिले में दलितों पर अत्याचार के जुर्म में 101 लोगों को आजीवन कारावास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कोप्पल जिले की एक अदालत ने दलित समुदाय की बस्ती में आग लगाने के मामले में 101 लोगों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों को हाल ही में दोषी ठहराया गया था और बृहस्पतिवार को अदालत ने सजा सुनाई। जाति आधारित हिंसा से जुड़ा यह मामला 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुका के मारकुंबी गांव का है। आरोपियों ने दलित समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी थी।

दलितों को नाई की दुकान और ढाबों में प्रवेश से मना करने को लेकर झड़प शुरू हुई थी। इस घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, इस मामले में 117 लोगों को आरोपी बनाया गया था जिनमें से 16 की सुनवाई के दौरान मौत हो गई।

जहां ध्वस्तीकरण हुआ है, वह जगह हमारे कब्जे में रहेगी: गुजरात सरकार ने न्यायालय से कहा

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात सरकार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि गिर सोमनाथ में जिस भूमि पर मुस्लिम धार्मिक ढांचों को कथित तौर पर अवैध रूप से ढहाया गया है, वह उसके पास ही रहेगी और किसी तीसरे पक्ष को आवंटित नहीं की जाएगी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने गुजरात सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया और इस बीच कोई अंतरिम यथास्थिति आदेश पारित नहीं किया। मुस्लिम पक्षकारों के वकील ने यह आदेश पारित किए जाने का अनुरोध किया था।

पीठ ने कहा, ''सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि अगले आदेश तक संबंधित भूमि का कब्जा सरकार के पास रहेगा और इसे किसी तीसरे पक्ष को आवंटित नहीं किया जाएगा। इस मामले को देखते हुए हमें कोई अंतरिम आदेश पारित करना आवश्यक नहीं लगता।'' पीठ गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुस्लिम धार्मिक ढांचों के ध्वस्तीकरण के संदर्भ में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश को अस्वीकार कर दिया गया था। शीर्ष अदालत गुजरात के प्राधिकारियों के खिलाफ उस अवमानना याचिका पर भी सुनवाई कर रही है जिसमें अंतरिम रोक के बावजूद और पूर्व अनुमति के बिना राज्य में आवासीय एवं धार्मिक संरचनाओं का अवैध ध्वस्तीकरण किए जाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका में शीर्ष अदालत के 17 सितंबर के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर राज्य प्राधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत ने तब देश में किसी मामले के आरोपियों की संपत्ति सहित अन्य संपत्तियों को बिना उसकी अनुमति के ध्वस्त करने पर रोक लगा दी थी। इस याचिका पर 11 नवंबर को सुनवाई होगी। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ औलिया-ए-दीन समिति की नई याचिका को सूचीबद्ध करने का उसी दिन आदेश दिया था। जूनागढ़ की औलिया-ए-दीन समिति की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुनवाई की शुरुआत में कहा कि एक विशेष समुदाय से संबंधित संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया है लेकिन वहां सरकारी भूमि पर बने मंदिरों को छोड़ दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि संरक्षित स्मारकों को इस आधार पर ध्वस्त कर दिया गया कि वे एक जल निकाय- अरब सागर के निकट थे।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में आई यह सबसे बड़ी गिरावट थी। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं।

ट्रूडो ने भारत, कनाडा के रिश्तों को बर्बाद कर दिया : कैप्टन अमरिंदर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरिंदर सिंह ने भारत-कनाडा संबंधों को ''बर्बाद'' करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका एकमात्र मकसद वहां चुनावों में सिख वोट हासिल करना है। सिंह ने यह टिप्पणी भारत और कनाडा के बीच संबंध तल्ख होने के बीच की है।

कनाडा ने नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की जून 2023 में हत्या के मामले में पिछले सप्ताह कहा था कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और पांच अन्य राजनयिक इस मामले की जांच के तहत 'निगरानी की श्रेणी' में हैं। इसके बाद, भारत ने वर्मा और उन पांचों राजनयिकों को वापस बुला लिया था। भारत व कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद पर पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, ''ट्रूडो ने (भारत और कनाडा के) संबंधों को बर्बाद कर दिया है। ट्रूडो की दिलचस्पी केवल एक चीज में है और वह है (कनाडा में) चुनाव में सिख वोट हासिल करना।'' खन्ना में सिंह ने कहा, ''उन्हें (ट्रूडो को) इसकी परवाह नहीं है कि क्या होता है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है। वह खालिस्तानियों को बढ़ावा दे रहे हैं। यह कुछ ऐसी चीज है जो स्वीकार्य नहीं है।'' पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल को याद करते हुए, सिंह ने कहा कि उन्होंने कनाडा के तत्कालीन रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन की भारत यात्रा के दौरान उनसे मिलने से इनकार कर दिया था और उन्हें ''खालिस्तानी समर्थक'' कहा था। उन्होंने कहा, ''जब मैं मुख्यमंत्री था, तब कनाडा के रक्षा मंत्री भारत की यात्रा पर आये थे। मैंने उनसे मिलने से इनकार कर दिया था।'' सिंह ने कहा, ''कनाडा और भारत के बीच बहुत दोस्ताना संबंध थे। ट्रूडो ने इसे बर्बाद कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''जब ट्रूडो 2018 में यहां आए, तो वह मुझसे मिलना चाहते थे। मैंने कहा कि मैं उनसे नहीं मिलना चाहता। तब भारत सरकार ने कहा कि यदि आप मुख्यमंत्री से नहीं मिलने वाले हैं, तो आप पंजाब नहीं जा सकते। तब हमें मिलना पड़ा था।''

रेवंत रेड्डी ने राजग सरकार पर दक्षिणी राज्यों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी नीत राजग सरकार पर धन आवंटन और विकास परियोजनाओं में दक्षिणी राज्यों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए उन्होंने पूछा कि केंद्र ने देश के लिए क्या किया है? और यह भी आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए भावनात्मक मुद्दे उठाती है और अन्य दलों को तोड़ने का प्रयास करती है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राजग सरकार का योगदान यह था कि वह तीन काले कृषि कानून लायी (जिन्हें अब निरस्त कर दिया गया है) और देश में बेरोजगारी पैदा की। उन्होंने एक मीडिया संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, आप देश में दक्षिण-उत्तर विभाजन लाने का प्रयास कर रहे हैं। जब भी कांग्रेस सत्ता में थी, जब भी कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री थे, तब उत्तर भारत के नेता के प्रधानमंत्री बनने पर राष्ट्रपति का पद दक्षिण भारत को देने की प्रथा थी। उन्होंने दावा किया कि नीलम संजीव रेड्डी से लेकर एपीजे अब्दुल कलाम तक दक्षिण के कई नेता उत्तर और दक्षिण के बीच हुए समझौते के तहत राष्ट्रपति बने। उन्होंने कहा, लेकिन आपने दक्षिण को कुछ भी देने से इनकार कर दिया है। आप हमारे वोट, हमारा पैसा चाहते हैं। लेकिन आप बदले में नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी का ध्यान केवल चुनाव जीतने पर है।

सोने में 1,150 रुपए की गिरावट, चांदी 2,000 रुपए फिसली

सोने में 1,150 रुपए की गिरावट, चांदी 2,000 रुपए फिसली

नई दिल्ली/भाषा। आभूषण विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों की सुस्त मांग के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,150 रुपए लुढ़क कर 80,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी भी बिकवाली दबाव में रही और 2,000 रुपए फिसलकर एक लाख रुपए से नीचे 99,000 रुपए प्रति

जगन के पास पारिवारिक संपत्ति का पूरा स्वामित्व नहीं, केवल 'संरक्षक' हैं: शर्मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी की बहन वाई. एस. शर्मिला ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं उनके पिता वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के जीवित रहते शुरू किये गये व्यवसाय पारिवारिक संपत्ति हैं और जगन सिर्फ इनके ''संरक्षक'' हैं।

उन्होंने एक खुले पत्र में कहा कि उनके दिवंगत पिता राजशेखर रेड्डी की इच्छा थी कि जगन सभी कारोबार को चार नाती-पोतों (जगन और शर्मिला के दो-दो बच्चों) के बीच बराबर-बराबर बांट दें। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान उन्हें विभिन्न कंपनियों से लाभांश के रूप में अपने परिवार के हिस्से के रूप में 200 करोड़ रुपए मिले, जिससे यह तथ्य स्थापित होता है कि राजशेखर रेड्डी के सभी चार नाती-पोतों को बराबर हिस्सा मिलेगा। शर्मिला ने कहा, ''ये (सारी संपत्तियां) जगन के स्वामित्व में नहीं हैं। वह केवल सभी मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के ''संरक्षक'' हैं। जगन की जिम्मेदारी है कि वह सभी व्यवसायों को चार नाती-पोतों में बराबर-बराबर बांट दें। यह (दिवंगत) राजशेखर रेड्डी का आदेश था। वाईएसआर ने अपने बच्चों और पत्नी को अपनी इच्छा से अवगत कराया। केवीपी रामचंद्र राव, वाईवी सुब्बारेड्डी और विजयसाई रेड्डी समेत उनके करीबी सहयोगियों को इस बारे में पता है।'' उन्होंने कहा कि वह संपत्ति में उचित हिस्सा मांग रही हैं क्योंकि उनके दिवंगत पिता चाहते थे कि सभी नाती-पोतों को बराबर का हिस्सा मिले। उन्होंने कहा, ''शेयरों के हस्तांतरण (सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज के) का उनकी जमानत रद्द होने से कोई लेना-देना नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने 'सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज' के शेयर जब्त नहीं किए हैं बल्कि कंपनी की केवल 32 करोड़ रुपए की जमीन जब्त की है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख शर्मिला ने कहा कि जगन और उनके समर्थकों को लगता है कि पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी हार का कारण वही थीं और इसलिए उनके भाई इस शर्त के साथ समझौता करना चाहते थे कि वह कभी भी उनकी, उनकी पत्नी भारती और कडप्पा के सांसद एवं चचेरे भाई वाईएस अविनाश रेड्डी की आलोचना नहीं करेंगी। उन्होंने हालांकि इस पर असहमति जताते हुए कहा कि एक राजनीतिक पार्टी के नेता के तौर पर यह संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई के साथ समझौता सफल नहीं हुआ क्योंकि वह शर्तों से सहमत नहीं थीं और इसके बाद जगन ने 'नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल' में याचिका दायर कर दी।

द्रमुक ने मानहानि को लेकर पलानीस्वामी के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर उस पर (पार्टी पर) कथित अपमानजनक आरोप लगाने को लेकर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ईडाप्पडी के पलानीस्वामी से एक करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा। न्यायमूर्ति आर एमटी टीका रमन ने इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए निर्धारित की है। द्रमुक की ओर से उसके संगठन सचिव आर एस भारती ने यह वाद दायर किया है।

अपने वाद में भारती ने उच्च न्यायालय से विधानसभा में विपक्ष के नेता पलानीस्वामी पर कथित मादक पदार्थ तस्कर जाफर सादिक के संबंध में द्रमुक पर कोई टिप्पणी करने और उनके खिलाफ कोई आरोप लगाने पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। भारती ने अपने वाद में कहा कि आठ मार्च, 2024 को सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट में द्रमुक शासन में अपराध दर में वृद्धि का आरोप लगाया गया था और यह भी कहा गया था कि पार्टी ने नशीले पदार्थों की तस्करी के कारण तमिलनाडु को शर्मसार किया है।

उन्होंने कहा कि इस अपमानजनक पोस्ट के माध्यम से पलानीस्वामी ने जनता से द्रमुक के कथित कुप्रशासन के खिलाफ मानव श्रृंखला प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया था। भारती ने कहा कि इस पोस्ट के बाद पलानीस्वामी ने अगले दिन

'एक्स' पर दूसरा पोस्ट साझा किया तथा आरोपों को दोहराते हुए मादक पदार्थ एवं द्रमुक को 'ना कहें' को शामिल करने के लिए अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल का एकाउंट नाम बदल दिया।

उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी ने द्रमुक पर और आरोप लगाते हुए एक और अपमानजनक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर सत्तारूढ़ पार्टी, उसके अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन एवं उसकी युवा शाखा के सचिव, युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि का जाफर सादिक के साथ संबंध बताया। सादिक पर अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। द्रमुक नेता ने कहा कि पलानीस्वामी इन अपमानजनक पोस्ट के माध्यम से द्रमुक का जाफर सादिक के साथ संबंध बता रहे हैं और जनता की नजर में द्रमुक की छवि धूमिल कर रहे हैं।

सादिक को एक कथित अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के सिलसिले में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है। भारती ने कहा कि एक राजनीतिक दल के तौर पर द्रमुक का सादिक से न तो कोई संबंध है और न ही उसकी कथित हरकतों से उसका कोई लेना-देना है। उन्होंने कहा कि सादिक की गिरफ्तारी से काफी पहले ही 25 फरवरी, 2024 को उसे द्रमुक की प्रवासी भारतीय शाखा के चेन्नई पश्चिम उप समन्वयक के पद से हटा दिया गया था तथा उसके और पार्टी के बीच सभी या कथित संबंध समाप्त हो गये।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त तथ्य की व्यापक रूप से रिपोर्ट की गयी और वह सभी के सामने आ चुका है लेकिन उसके बाद भी उसे नज़रअंदाज़ करते हुए पलानीस्वामी ने जाफर सादिक के कृत्यों को द्रमुक से जोड़ना जारी रखा है, जो अपने आप में झूठा और फर्जी है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार यह स्पष्ट है कि अपमानजनक पोस्ट में कोई दम या सच्चाई नहीं थी और उसे जल्दबाजी में प्रकाशित किया गया लेकिन सत्यता की पुष्टि करने की कोशिश नहीं की गयी।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने नागरकोइल में नए आवासीय क्वार्टर का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आयकर विभाग पिछले 60 वर्षों से कन्याकुमारी जिले में किराये के परिसर में काम कर रहा है। आयकर कार्यालय भवन का निर्माण अप्रैल 2023 के महीने में पूरा हुआ।

इसके बाद, इस स्टेशन में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए 12 आवासीय स्टाफ क्वार्टर बनाए गए। पूरे परिसर के लिए भूमि अधिग्रहण की लागत लगभग 12 करोड़ रुपये थी। कार्यालय भवन के निर्माण की लागत 7.14 करोड़ रुपये और आवासीय क्वार्टर के निर्माण की लागत 4.55 करोड़ रुपये थी, जिससे पूरी परियोजना की लागत 11.69 करोड़ रुपये हो गई।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, तमिलनाडु और पुदुचेरी सुनील माथुर, आईआरएस ने 23 अक्टूबर को केपी रोड, नागरकोइल में आवासीय क्वार्टरों का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर संजय राय, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त, मदुरै; टी. वसंतन, आईआरएस, प्रधान आयकर आयुक्त-1, मदुरै; और अजय शर्मा, सीपीडब्ल्यूडी, मदुरै के कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे। इस अवसर पर आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

हरी झंडी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार परिवहन निगम (कोयंबटूर) लिमिटेड कोयंबटूर जिला करुमथंबट्टी शाखा कार्यालय में बिजली मंत्री वी सेंथिल बालाजी द्वारा 24 लो-फ्लोर बसों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर कलेक्टर क्रांति कुमार, निगम मे आयुक्त मा शिवगुरु प्रभाकर, तमिलनाडु सरकार परिवहन निगम के महाप्रबंधक के.सेल्वाकुमार, टी.मोहन कुमार और परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष के खिलाफ मानहानि की शिकायत रद्द

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष पी. अप्पवु के खिलाफ यहां एक विशेष अदालत में लंबित मानहानि की शिकायत शुक्रवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने यह फैसला सुनाया।

अप्पवु ने मानहानि की शिकायत को रद्द करने का अनुरोध किया था, जो अन्नाद्रमुक के नेता आर.एम. बाबू मुरुगवेल ने दायर की थी। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रतिवादी की शिकायत इस आधार पर खारिज की जाती है कि यह मामला प्रत्यक्ष रूप से उनसे जुड़ा नहीं है। बाबू मुरुगावेल अन्नाद्रमुक की प्रदेश इकाई की कानूनी शाखा के संयुक्त सचिव और पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता भी हैं। अपनी शिकायत में मुरुगवेल ने आरोप लगाया था कि अप्पवु ने पिछले साल नवंबर में यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में यह दावा करके अन्नाद्रमुक को बदनाम किया था कि पार्टी के 40 विधायक दिसंबर 2016 में पार्टी की नेता जे. जयललिता के निधन के बाद द्रमुक में शामिल होने के लिए तैयार थे। अप्पवु ने कहा कि बाबू मुरुगावेल ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता (अप्पवु) ने इस भाषण के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और 500 के तहत अपराध किया है। शिकायत को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि इस मामले में अप्पवु ने जो दावा किया है, उससे शिकायतकर्ता का दूर-दूर तक संबंध नहीं है।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस को सितंबर तिमाही में 967.80 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

चेन्नई। चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 967.80 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 772.87 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत कुल आमदनी बढ़कर 6,322.34 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,695.16 करोड़ रुपये थी। अप्रैल-सितंबर छमाही के दौरान कर्ज वितरण बढ़कर 48,646 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 41,557 करोड़ रुपये था।

कन्नूर के पूर्व एडीएम की मौत की जांच के लिए एसआईटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल पुलिस ने कन्नूर के पूर्व अतिरिक्त जिलाधिकारी नवीन बाबू की कथित आत्महत्या की जांच के लिए शुक्रवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। नवीन बाबू की मौत से केरल में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने राज्य सरकार और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर नवीन बाबू की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए कन्नूर शहर के जिला पुलिस प्रमुख अजीत कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया है।

कोझिकोड के जोनल कार्यालय (उत्तर) के पुलिस महानिरीक्षक की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह टीम कन्नूर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) की प्रत्यक्ष निगरानी में काम करेगी।

आदेश के मुताबिक एसआईटी के अन्य सदस्यों में रेथनाकुमार-एसीपी कन्नूर, श्रीजीत कोडेरी-आईपीएसएचओ, कन्नूर टाउन पीएस, सनल कुमार - आईपीएसएचओ, कन्नूर सिटी पुलिस थाना (पीएस), कन्नूर टाउन पुलिस थाने के उपनिरीक्षक-सव्यसाची, पुलिस उपनिरीक्षक-रेशमा समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं।

नवीन बाबू के आत्महत्या करने की घटना माकपा नेता पी पी दिव्या द्वारा कन्नूर में जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह के दौरान बाबू को भ्रष्टाचार से जोड़ने वाली टिप्पणी के कुछ घंटों बाद हुई। दिव्या ने आरोप लगाया था कि नवीन बाबू कन्नूर जिले में एक पेट्रोल पंप के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मंजूर करने से संबंधित भ्रष्ट आचरण में शामिल थे।

बिना आमंत्रण के 14 अक्टूबर को विदाई समारोह में शामिल हुई दिव्या ने चेंगलाई में पेट्रोल पंप की मंजूरी में कई महीनों तक देरी करने के लिए बाबू की आलोचना की थी और टिप्पणी की थी कि उन्होंने तबादले के दो दिन बाद ही मंजूरी दे दी थी और संकेत दिया कि वह इस अचानक मंजूरी के पीछे का कारण जानती हैं।

अगले दिन नवीन बाबू कन्नूर स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए। उनकी मौत को लेकर उठे विवाद के बीच मार्क्सवादी पार्टी ने दिव्या को कन्नूर जिला पंचायत के अध्यक्ष पद से हटा दिया है।

विजयन ने भाजपा, कांग्रेस पर मुस्लिम बहुल मलप्पुरम को गलत तरीके से चित्रित करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर तीखा निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संघ परिवार मलप्पुरम जिले को गलत तरीके से पेश कर रहा है और देश की सबसे पुरानी पार्टी भी इस विमर्श का समर्थन कर रही है। विजयन ने राज्य में उपचुनाव में वाम उम्मीदवारों के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरूआत की। विजयन को हाल ही में मलप्पुरम में सोने की तस्करी और हवाला लेनदेन को राष्ट्र-विरोधी ''गतिविधियों'' से जोड़ने वाली टिप्पणी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि सरकार सोने की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और अपराध को अपराध के रूप में देखा जाना चाहिए, किसी विशेष समुदाय को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले के बारे में अपनी पिछली विवादास्पद टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री विजयन ने कहा, इन मुद्दों को एक विशिष्ट समुदाय से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन सरकार उस दृष्टिकोण का समर्थन नहीं करेगी। विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ ने विजयन पर मलप्पुरम टिप्पणी को लेकर

निशाना साधा था और उन पर मुस्लिम बहुल जिले को गलत तरीके से चित्रित करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद उनसे माफी मांगने और स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। शुक्रवार को चेलाक्कारा विधानसभा क्षेत्र में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार यू आर प्रदीप के उपचुनाव संबंधी बैठक का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और दावा किया कि कांग्रेस ने इस दुष्प्रचार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने जनसंघ के साथ मिलकर मलप्पुरम जिले के गठन का विरोध किया था और इसे 'छोटा पाकिस्तान' तक कह दिया था। हालांकि, मलप्पुरम जिले की स्थापना के एलडीएफ के फैसले को मान्यता मिली है।

मलप्पुरम जिले का गठन 16 जून 1969 को मार्क्सवादी नेता ईएमएस नंबूदरीपाद की सरकार के दौरान हुआ था। जिले के गठन का उद्देश्य कोझिकोड जिले की विशालता की समस्या को कम करना और अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना था। विजयन ने अपने भाषण में कहा कि केरल देश के कई अन्य राज्यों के विपरीत सांप्रदायिक दंगों से मुक्त राज्य है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, एलडीएफ सांप्रदायिकता पर समझौता नहीं करता है, जबकि कई राज्यों में सत्ता में बैठे लोग ऐसी अशांति का समर्थन करते हैं। एलडीएफ सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, एक ऐसा रुख जिसका न तो कांग्रेस और न ही भाजपा दावा कर सकती है। भाजपा, विशेष रूप से, सांप्रदायिक घृणा भड़का रही है, जिसके कारण अक्सर दंगे होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना की और उस पर धर्मनिरपेक्षता का दावा करते हुए हिंदुत्व के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। विजयन ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन और केरल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के. सुधाकरन पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज्य में इसके एक नेता ने कहा कि उन्होंने आरएसएस शाखाओं की रक्षा की है, जबकि दूसरे ने गोलवलकर की तस्वीर के सामने दीया जलाया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 1959 के चुनावों में कांग्रेस ने पट्टांबी में ईएमएस को हराने के लिए जनसंघ के साथ गठबंधन किया था, लेकिन वह जीत गए।

उन्होंने कहा, हाल ही में त्रिशूर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 87,000 मतों का नुकसान हुआ, जबकि एलडीएफ को पिछले चुनाव की तुलना में 16,000 वोट अधिक मिले। कांग्रेस के वोट कहां गए? उनका परोक्ष तौर पर इशारा त्रिशूर सीट से भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी की जीत की ओर था, जिसमें उन्होंने वाम और कांग्रेस को हराया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हर दिन समर्थन खो रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास एक प्रदेश अध्यक्ष हैं जो इशारा कर रहे हैं कि वह किसी भी समय भाजपा में शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता का भी जिक्र किया और जमात-ए-इस्लामी तथा एसडीपीआई पर इसे बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

केरल में भारी बारिश : आईएमडी ने आठ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में शुक्रवार को सुबह से ही भारी बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर जलजमाव और यातायात जाम होने के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के आठ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने शुरू में तिरुवनंतपुरम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर जिलों में दिन के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया था। दोपहर तक राज्य के पथनमथिट्टा, कोल्लम और अलप्पुझा जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट' जारी कर दिया गया।

मौसम विभाग ने दक्षिणी केरल तट पर अरब सागर में बन रही चक्रवातीय परिस्थितियों के कारण राज्य में 27 अक्टूबर तक बहुत भारी से अत्यंत वर्षा का अनुमान जताया है। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई स्थानों पर आसमान में घने काले बादल छाए रहने से दिन में रात होने का एहसास हो रहा था। आईएमडी ने राज्य के तीन अन्य जिलों में येलो अलर्ट' भी जारी किया।

'ऑरेंज अलर्ट' का मतलब होता है बहुत भारी बारिश (6 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर) और येलो अलर्ट' का मतलब है 6 से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश। आईएमडी ने तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में एक या दो स्थानों पर बादल गरजने के साथ भारी वर्षा और तेज हवाएं चलने का भी अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड जिलों में कुछ जगहों पर बिजली कड़कने के साथ मध्यम वर्षा होने और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

केरल में विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप, सत्तारूढ़ एलडीएफ ने किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में मीडिया में प्रकाशित उन खबरों से राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है जिसके मुताबिक शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के एक विधायक ने दो विधायकों को अजित पवार नीत राकांपा में शामिल होने के बदले 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। अजित पवार नीत राकांपा इस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) नेता एवं विधायक थॉमस के. थॉमस राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं। उन्होंने शुक्रवार को दावा किया कि मीडिया की खबरों में उनपर 'आधारहीन' आरोप लगाए गए हैं।

कुट्टनाडु से विधायक थॉमस ने दावा किया कि उनपर ऐसे समय आरोप लगाए गए जब वह मंत्री बनने वाले थे और उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने वाम मोर्चे के एक अन्य विधायक एवं पूर्व मंत्री (जनाधिपत्य केरल कांग्रेस सदस्य) एंटनी राजू को इस घटनाक्रम के पीछे बताया। थॉमस ने पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने की मांग की। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ ने खबरों का खंडन किया और कहा कि प्रकरण की जांच की जाएगी। राज्य मंत्री के कृष्णाकुट्टी (जदएस), ए के शशिद्रन (राकांपा) और के.बी. गणेश कुमार (केरल कांग्रेस बी) ने ऐसे किसी घटनाक्रम से इनकार किया है और दावा किया कि वाम मोर्चे में इस तरह की गतिविधि नहीं हुई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव विनय विश्वम ने कहा कि अगर इन आरोपों के पीछे कोई सच्चाई होगी तो इसमें संलिप्त होने वालों को एलडीएफ का हिस्सा होने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने मामले की समुचित जांच की मांग की। वाम नेताओं की यह प्रतिक्रिया मीडिया में प्रकाशित उन खबरों के बाद आई कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राकांपा (एसपी) विधायक थॉमस के थॉमस को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया क्योंकि उन्हें शिकायत मिली थी कि थॉमस ने एलडीएफ के दो विधायकों को पाला बदलने के एवज में 50-50 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की थी।

दोनों वाम विधायकों को कथित तौर पर राकांपा (अजित पवार) गुट में शामिल होने का न्योता दिया गया था जो भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन का हिस्सा है। विश्वम ने मीडिया में आई खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एलडीएफ की राजनीति नहीं है। एलडीएफ के किसी भी विधायक को पैसे से खरीदे जाने के लिए तैयार नहीं होना चाहिए। देश के कई हिस्सों में खरीद-फरोख्त की राजनीति है। यह अपमानजनक है कि हमारे राज्य में भी यह आ गई है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इसकी पूरी जांच की जानी चाहिए। एलडीएफ के संयोजक टी पी रामकृष्णन ने भी ऐसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो गलत है।

उन्होंने कहा, ऐसी गतिविधियों पर कोई नरम रुख नहीं है लेकिन यह साबित नहीं हुआ है कि ऐसा कुछ हुआ है। हम कह सकते हैं कि तथ्यों की जांच की जा रही है। मैं यह नहीं कह सकता कि मुख्यमंत्री के सामने (तथ्य)क्या था। मैं एलडीएफ का संयोजक हूं और उसपर टिप्पणी नहीं कर सकता।

खबरों के मुताबिक राकांपा विधायक एवं एलडीएफ की सहयोगी थॉमस के थॉमस ने वाम विधायकों एंटोनी राजू (जनाधितिपत्य केरल कांग्रेस) और कवूर कुंजुमन (आरएसपी-लेनिनवादी)को पैसे देने की पेशकश की थी।

थॉमस ने इस घटना की जानकारी होने से इनकार किया। थॉमस ने कहा, ''मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है। यहां तक कुंजुमन ने भी कहा है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है।'' उन्होंने कहा कि जल्द ही वह कुछ खुलासे करेंगे।

थॉमस ने संवाददाताओं से कहा कि मेरा मानना है कि राजू उनके खिलाफ लगे आरोप के पीछे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मामले में गहन जांच की जरूरत है। मैंने सीधे मुख्यंत्री से इस संबंध में अनुरोध करता हूं। इस आरोप का लक्ष्य कुट्टनाडु सीट एंटनी राजू की पार्टी के लिए सुनिश्चित करना है।''

'सपने में सफेद साड़ी पहनकर आई, बोली बच्चा सही नहीं' मां ने अंधविश्वास में 19 दिन के बेटे को मारा डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। डाबला थाना क्षेत्र के जीलो ग्राम में हुई इस सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए हत्यारी मां को आज गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि बच्चे का मर्डर उसकी ही मां ने अंधविश्वास के चलते किया है। इस मामले में एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि इस घटना के सामने आने के बाद सरोज के हाव-भाव से हमारा शक उस पर गहराया। हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। फिलहाल सरोज को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस की गिरफ्त में बच्ची की मां सरोज से पूछा कि उसने अपने बच्चे को क्यों मारा तो उसने बताया कि मंगलवार रात को मैं अपने बच्चे के साथ सो रही थी। नींद लगी तो एक सफेद साड़ी पहने महिला सपने में आई।सरोज ने कहा कि, सपने वाली महिला ने कहा कि उसका बेटा सही नहीं है। उसे मारना होगा। ये कहकर वो गायब हो गई। इसके बाद उसकी नींद खुल गई। वो काफी डर गई थी। उसने अपने बच्चे को गोदी में उठाया और कमरे के बाहर पानी की टंकी में बच्चे को डाल दिया और वापस आकर अपने बिस्तर पर सो गई।

गुनाह छिपाने के लिए परिजनों के सामने किया ड्रामा कमरे में आने के बाद महिला सोने का नाटक करती रही। एक बजे के आसपास उसकी सास उठी तो बच्चा गायब मिला। जिस पर उसने शोर मचाया। इसके बाद वो बार-बार अपने बेटे को पुकारती रही। जैसे ही बच्चे का शव टंकी में मिला तो वो बेसुध होने का नाटक करने लगी, ताकि किसी ये पता नहीं चले कि पूरी वारदात को उसी ने अंजाम दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम के जरिए भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पढ़ाया पाठ : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने भारत को जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र बताते हुए कहा है कि विश्व की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का मूल यही देश रहा है और भारत ने ही विश्वभर को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के जरिए सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया है। बागड़े शुक्रवार को एक निजी होटल में 'जयपुर डायलॉग 2024' के वार्षिक समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूर्ण होने का अवसर 'भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त' करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतनमनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूर्ण होने का अवसर 'भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त' करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतनमनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बनें। यह समय हमारी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों की ओर लौटने से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के वैश्विक व्यापार के केंद्र रहने की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दृष्टि इसी संदर्भ में दी है। यह प्रधानमंत्री के पंच प्रणविकसित भारत, मानसिक उपनिवेशवाद के उन्मूलन, हमारी विरासत पर गर्व, नागरिकों की एकता और कर्तव्य से जुड़े हैं। यही हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांतों का स्वाभाविक विस्तार है।

राज्यपाल ने शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने, नैतिकता के साथ राष्ट्र प्रेम से विद्यार्थियों को जोड़ने और महापुरुषों के आदर्श जीवन को अपनाते हुए उनमें राष्ट्रभक्ति के विचार भरने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। इससे पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और जयपुर डायलॉग के संस्थापक संजय दीक्षित ने 'जयपुर डायलॉग्स 2024' के अंतर्गत 'रिक्लेमिंग भारत' की वृहद सोच के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

आरपीएससी ने 2022 के दौरान हुई दो प्रतियोगी परीक्षाओं को निरस्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-दो और अधिशासी अधिकारी वर्ग-चार (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा, 2022 को परीक्षा के दौरान गोपनीयता भंग होने का हवाला देते हुए निरस्त कर दिया है। आयोग के अनुसार पिछले साल 14 मई को 111 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में 1,96,483 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इनमें से परीक्षा के बाद पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से जारी सूची में कुल 311 अभ्यर्थियों को शामिल किया गया। परीक्षा के दिन बीकानेर में परीक्षा केंद्रों पर नकल की घटनाएं हुईं और वहां तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं।

आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया, प्राथमिकी और उनकी चालान रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि परीक्षा केंद्रों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल की गई। बयान के अनुसार, प्राप्त शिकायतों के संबंध में आयोग ने इस साल 12 जून को पुलिस के विशेष समूह एसओजी को जांच के लिए लिखा था। बयान में बताया गया कि दस्तावेज सत्यापन में अभ्यर्थियों के संदिग्ध पाए जाने पर आयोग ने इस वर्ष दो से आठ अगस्त तक कई अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की पुनः जांच भी की तथा जांच नोट तैयार कर आगे की जांच के लिए एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक को रिपोर्ट भेजी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने आयोग को अवगत कराया है कि परीक्षा के दौरान परीक्षा की गोपनीयता को लेकर गंभीर तथ्य प्रकाश में आए हैं। एसओजी ने मामला भी दर्ज किया है तथा कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।

उपरोक्त सभी तथ्यों के मद्देनजर आयोग ने पाया कि उक्त परीक्षा के संचालन के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर वांछित शुचिता का पूर्ण अभाव रहा। ब्लूटूथ से नकल करने वाले कई अभ्यर्थियों के संबंध में दर्ज तीन मामलों की जांच के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि परीक्षा की गोपनीयता भंग हुई है।

इसलिए आयोग ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-दो एवं अधिशासी अधिकारी वर्ग-चार (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा, 2022 को निरस्त करने तथा सभी आवेदित अभ्यर्थियों की परीक्षा निकट भविष्य में पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है।

राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना हमारा सर्वोच्च कर्त्तव्य : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिला प्रशासन द्वारा 'स्वच्छता एवं स्वास्थ्य' थीम पर फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 अभियान के तहत आयोजित 'यूनिटी रन' को संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने उम्मेद स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता दौड़ का आयोजन उम्मेद स्टेडियम से नई सड़क चौराहा, मोहनपुरा पुलिया, पुलिस लाईन रातानाडा रोड़, केएन कॉलेज चौराहा, राईकाबाग पुलिया, महावीर उद्यान से उम्मेद स्टेडियम तक किया गया।

पटेल ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राष्ट्र के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके जयंती पर्व को हम राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना हमारा सर्वोच्च कर्त्तव्य है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि हम सभी स्वच्छ और फिट इंडिया का संकल्प लेकर स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करेंगे। यह एकता दौड़ राष्ट्र की एकता,स्वस्थ जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति आमजन को जागरूक करने में सहायक सिद्ध होगी।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों के स्वस्थ और बेहतर जीवन स्तर के लिए अनेक योजनाएं एवं कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ धीरज कुमार सिंह,नगर निगम आयुक्त डॉ.टी शुभमंगला, उपखंड अधिकारी दक्षिण पंकज जैन सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

देवली खुर्द में शिक्षा मंत्री दिलावर ने की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सरकार आपके द्वार समस्या समाधान शिविर के अंतर्गत शुक्रवार को कोटा जिले की देवली खुर्द में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री के श्री मदन दिलावर ने प्रवेश से वंचित 9 छात्र-छात्राओं को अतिरिक्त आयुक्त कॉलेज शिक्षा से बात कर महाविद्यालय में प्रवेश दिलाया। साथ ही, दोनों वर्गों को बालिका से सह शिक्षा में परिवर्तित किए जाने के प्रस्ताव भेज कर स्वीकृत कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

शिक्षा मंत्री को राजकीय महाविद्यालय रामगंज मंडी के प्राचार्य संजय सिंह गुर्जर का पत्र लेकर पहुंचे इन 9 छात्र-छात्राओं ने बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2021-22 की घोषणा की अनुपालन में राजकीय

महाविद्यालय रामगंजमंडी (सह शिक्षा कला संकाय) में दो अतिरिक्त वर्ग स्वीकृत किए गए थे जिनके अंतर्गत केवल बालिकाओं को ही प्रवेश की अनुमति है। जिससे छात्र इनमें प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। गत सत्र में भी अतिरिक्त आयुक्त के पत्र के पश्चात अतिरिक्त वर्ग की शेष रिक्त सीटों पर फीस जमा करा चुके छात्रों का प्रवेश हो पाया था। इस वर्ष भी छात्र पुनः प्रवेश से वंचित हैं।

अतः इन दोनों वर्गों को सह शिक्षा में परिवर्तित किया जाए तथा प्रवेश से वंचित छात्रों को उक्त अतिरिक्त वर्ग की सीटों पर प्रवेश दिया जाए। इस पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए शिक्षा मंत्री ने अतिरिक्त आयुक्त कॉलेज शिक्षा से बात कर महाविद्यालय में प्रवेश दिलाया। शिक्षा मंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर गुरुवार को कोटा जिले के देवली खुर्द गांव में आयोजित सरकार आपके द्वार समस्या समाधान शिविर में शामिल होने पहुंचे थे। रास्ते में भावपुरा गांव में शिक्षा मंत्री मजदूर महिलाओं से मिले और बड़ी सहजता के साथ जमीन पर बैठकर उनकी बात सुनी। महिलाओं से बातचीत के दौरान शिक्षा मंत्री ने उनसे पूछा कि आज टिफिन में क्या है।

इस पर महिलाओं ने बताया कि टिफिन में दाल और रोटी है। मंत्री ने जब कहा कि मुझे खिलाओ तब एक मजदूर महिला बोली आप मंत्री हैं हमारा हाथ का बनाया भोजन खाएंगे। इस पर मंत्री ने कहा कि मैं खाऊंगा। इसके बाद शिक्षा मंत्री उन महिला मजदूरों के साथ बैठ गए और उनके टिफिन से दाल रोटी खाई। मंत्री को अपने हाथों से बना भोजन करते देख महिलाएं बहुत प्रसन्न थी। भोजन कराने वाली महिला ने कहा कि सभी नेता हर बार चुनाव में बस्ती में वोट मांगने तो आते हैं। लेकिन इस तरह से हम गरीब लोगों के हाथ से बना खाना किसी नेता ने नहीं खाया। ''ये छै माह जैसा गरीब लोगान का असली नेता।''

राजस्थान पहुंचीं कंगना रनौत, मीरा बाई के महल में बिताया समय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़ । फिल्म जगत की क्वीन अभिनेत्री कंगना रनौत अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए अक्सर सोशल मीडिया का सहारा लेती नजर आती हैं। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी ताजा पोस्ट शेयर की है। इसमें वह राजस्थान स्थित मीराबाई के महल में सुकून के पल बिताती नजर आ रही हैं। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ किले के साथ वह अपने कुलदेवी के मंदिर पहुंचीं, जिसकी झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की है। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'अपने कुलदेवी के मंदिर में दर्शन करने के बाद हम चित्तौड़गढ़ किले में गए और मीरा बाई के महल भी गए।' 'महल प्रभावशाली था और मंदिर दिव्य था।' 'मीराबाई के मंदिर में भगवान कृष्ण की प्रतिमा की पूजा की जाती है और उनके पैरों में मीरा बाई की एक छोटी मूर्ति है, मैं वहां बैठकर ध्यान लगा रही थी।'

कंगना ने लिखा 'जब मैंने अपनी आंखें खोली तो मैंने पाया कि कृष्ण की प्रतिमा की त्वचा गोरी है। उनकी त्वचा बहुत नाजुक और उनके सीधे लंबे हल्के भूरे बाल हैं, फिर मैंने

मीराबाई को देखा और महसूस किया कि वे दोनों एक ही व्यक्ति हैं।' 'उस मंदिर में शायद कृष्ण की पूजा मीरा के रूप में की जाती है।' 'इस दृश्य ने मुझे इतनी गहराई से प्रभावित किया कि मेरी आंखों में आंसू आ गए।'

अभिनेत्री ने लिखा 'वह मीरा नहीं, वह कृष्ण थी।' 'आप जिससे प्रेम करते हैं, आप उसी से भर जाते हैं (आप में वही समा जाता है)। वहीं, शेयर की गई तस्वीरों में कंगना रनौत किले की स्थापत्य भव्यता को निहारती और उसकी खूबसूरती में डूबी दिखाई दे रही हैं।

कंगना प्राचीन वास्तुकला को देखती और चिंतन की मुद्रा में बैठी नजर आ रही हैं। पेशेवर काम की बात करें, तो अभिनेत्री की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेत्री के प्रशंसक भी उनकी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। इमरजेंसी को हाल ही में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से सेंसर सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म का निर्देशन कंगना रनौत कर रही हैं। 'इमरजेंसी' 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' के बाद कंगना की दूसरी निर्देशित फिल्म है। फिल्म में कंगना रनौत के साथ श्रेयस तलपड़े समेत फिल्म जगत के कई सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शिक्षा मनुष्य को मानवीय बनाती है : हरिभाऊ बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है। उन्होंने शिक्षा के जरिए राष्ट्र और समाज के विकास के लिए कार्य करने, इसके जरिए विकसित भारत में योगदान किए जाने पर जोर दिया। बागडे शुक्रवार को अपेक्स विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्राचीन तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों की चर्चा करते हुए कहा कि यहां पर किसी एक विषय नहीं सभी विषयों में पढ़ाई होती थी। नई शिक्षा नीति में भी इसी पर जोर दिया गया है कि विद्यार्थी सभी विषयों में निष्णात होए और उसका सर्वांगीण विकास हो। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों द्वारा भारत की ज्ञान परंपरा पर दृष्टि विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यष्टि और समष्टि को जोड़ने वाला प्रथम सूत्र शिक्षा ही है। उन्होंने शिक्षा के जरिए सभी के समान विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मार्बल उद्योग सभी के लिए अवसरों की नई राहें खोलता है : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

उदयपुर। राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शुक्रवार को उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस बैठक में राज्य के मार्बल उद्योग और आगामी राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स समिट 2024 के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।कर्नल राठौड़ ने कहा, हम सभी प्रदेश के खनिज पत्थर, मार्बल्स तथा इससे संबंधित उद्योगों व उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थानी मार्बल्स की सुंदरता को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता और यह पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। राजस्थान का मार्बल्स उद्योग भारत के सबसे प्रमुख मार्बल्स उत्पादक और निर्यातकों में से एक है। उन्होंने कहा, राजस्थान में मार्बल्स की खदानें और प्रसंस्करण इकाइयाँ विश्वभर में प्रसिद्ध हैं।

दौसा उपचुनाव : गहलोत का भाजपा पर हमला, डोटासरा ने लगाए ठुमके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। यूं तो उपचुनाव में नामांकन का काम पूरा हो गया है। लेकिन नाम वापसी से पहले ही दौसा का राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। शुक्रवार को भी दौसा में राजनीतिक सरगर्मी तेज रही, जहां कांग्रेस के प्रत्याशी डीसी बैरवा ने अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन सभा में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेता शामिल हुए। गहलोत ने भाजपा प्रत्याशी के भाई व केबिनेट मंत्री डा किरोड़ी पर जमकर तंज कसा। गहलोत बोले कि कृषि मंत्री होना बहुत बड़ी बात है। कृषि मंत्री किसानों के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। लेकिन इस्तीफे का नाटक कर उन्होंने किसानों का कोई भला नहीं किया है। इस्तीफा क्यों दिया यह भी अब सबको पता चल गया है।

गहलोत ने कहा कि डॉक्टर किरोड़ी नान इश्यू को इश्यू, बात का बतंगड बनाते हैं, कभी धरना देते हैं कभी इस्तीफा। भाजपा की सरकार नहीं यह सर्कस है। उन्होंने जनता में भ्रम फैलाकर सरकार बना ली। गहलोत ने कहा कि हमारी योजनाओं को भाजपा सरकार बंद कर रही है। जिन योजनाओं पर मेरे फोटो लगे थे उन फोटो को हटाने के लिए मैंने बोल भी दिया। लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल ने जवाब देना नहीं सीखा। गहलोत बोले कि कांग्रेस नेताओं से डॉक्टर किरोड़ी की सेटिंग की बात महज अफवाह है। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई को मुक्त कराना है, लोकतंत्र बचाना है तो कांग्रेस को विजयी बनाएं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में 11 मोरिया बुला दिए। अब उपचुनाव में आपको देखना है। सांसद मुरारी लाल मीणा ने कहा कि डीसी बैरवा के नाम पर खूब फीडबैक ले लिया। सभी नेताओं ने जानकारी कर ली। सोशल मीडिया पर हमारे उनके बारे में भ्रामक अफवाह फैलाई गई। जिसका ठीकरा डीसी पर फोड़ने की कोशिश की गई। लेकिन डीसी बैरवा के फोन में कांग्रेस रची बसी है, वह ऐसा काम नहीं कर सकते। मुरारी मीणा ने लोगों से हाथ खड़े करा कर डीसी बैरवा को विजई बनाने की शपथ भी दिलाई। सभा को पूर्व मंत्री रघु शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी की सचिव पूनम पासवान, विधायक रफीक खान, डूंगरमल गैदर, पूर्व मंत्री ममता भूपेश, पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला, जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड़ ने भी संबोधित किया।

विकसित भारत के संकल्प के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही सरकार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महराजगंज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को महराजगंज जिले के चौक बाजार में 940 करोड़ रुपए की 505 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास तथा नगर पंचायत चौक बाजार के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों के समक्ष विकास और विरासत से जोड़ने का आह्वान करते हुए वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का लक्ष्य रखा है, इसके लिए सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है।

इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने नगर पंचायतों और स्थानीय निकायों के लिए विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ''स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों तथा आम नागरिकों के लिए भी विचारणीय आत्मावलोकन का अवसर है कि विकसित भारत के निर्माण में उनकी क्या भूमिका होनी चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आवश्यकता है कि नगर पंचायत और स्थानीय निकाय विकास के उन आयामों से जुड़ें जो नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही रोजगार का सृजन भी करें।'' इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग, एमएसएमई, कृषि विभाग, उद्यान विभाग की लाभार्थीपरक योजनाओं समेत मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मत्स्य संपदा योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, चाबी, प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत युवाओं को टैबलेट भी वितरित किए।

चक्रवात 'दाना' के कारण पश्चिम बंगाल में एक व्यक्ति की मौत : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि चक्रवात 'दाना' के कारण राज्य में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि प्रशासन ने निचले इलाकों से करीब 2.16 लाख लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

बनर्जी स्थिति पर नजर रखने के लिए राज्य सचिवालय में रात बिताने के बाद, अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि राहत सामग्री चक्रवात प्रभावित सभी लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा, ''इस प्राकृतिक आपदा में केवल एक व्यक्ति की मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह का पता चल सकेगा। जरूरत पड़ने पर हम (राज्य सरकार) परिवार की मदद करेंगे।'' राज्य में हाल ही में आई बाढ़ के बाद कृषि विभाग द्वारा किए गए सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने अधिकारियों को 'चक्रवात दाना' से हुए नुकसान का पता लगाने के लिए कृषि भूमि का एक और सर्वेक्षण शुरू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने उनसे क्षतिग्रस्त कृषि भूमि की सूची तैयार करने को कहा ताकि किसानों को फसल बीमा से धन मिल सके। उन्होंने कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसानों को नुकसान ना हो।''

बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार ने फसल बीमा कराने की अवधि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है।

असम के वैज्ञानिक को गेंडों के संरक्षण के लिए 'हैरी मेसेल' पुरस्कार से सम्मानित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के प्रख्यात संरक्षण वैज्ञानिक बिभब कुमार तालुकदार को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के स्पीशीज सर्वाइवल कमीशन (एसएससी) ने शुक्रवार को 'द हैरी मेसेल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

बयान में कहा गया है कि यह पुरस्कार उन्हें अबू धाबी में जारी आईयूसीएन-एसएससी के नेताओं की पांचवीं बैठक के दौरान प्रदान किया गया, जहां लगभग 300 संरक्षण विशेषज्ञ जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन के परस्पर जुड़े संकटों से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए एकत्र हुए हैं।

तालुकदार को पशुओं के संरक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान विशेष रूप से एसएससी में उनके नेतृत्व और एक सींग वाले भारतीय गैंडों के संरक्षण के लिए सम्मानित किया गया।

तालुकदार 1991 से आईयूसीएन एसएससी से जुड़े हैं और 2008 में एशियाई गैंडा विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष बने थे, जो असमिया संरक्षणवादियों के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

वह पूर्वोत्तर भारत के अग्रणी जैव विविधता संरक्षण संगठन 'आरण्यक' के संस्थापक महासचिव और सीईओ भी हैं।

इसके अलावा उन्हें इंडोनेशियाई संरक्षण एजेंसियों ने गंभीर रूप से लुप्तप्राय जावन और सुमात्रा गैंडों के प्रबंधन में सहायता करने के लिए आमंत्रित किया है।

इसमें कहा गया है कि तालुकदार ने 'इंडियन राइनो विजन 2020' को लागू करने में असम सरकार की भी मदद की है। इस विजन के तहत 2008 और 2022 के बीच पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से 22 जंगली गैंडों को मानस राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित करना शामिल है।

ज्ञानवापी परिसर में खुदाई के जरिए सर्वेक्षण की मांग वाली हिंदू पक्ष की याचिका खारिज

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश में वाराणसी की एक अदालत ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में खुदाई के जरिए सर्वेक्षण की मांग वाली हिंदू पक्ष की याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। हिंदू पक्ष के एक वकील ने यह जानकारी दी। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले मदन मोहन यादव ने कहा कि दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) जुगल किशोर शंभू ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में खुदाई के जरिए सर्वेक्षण की मांग वाली हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी। जिला अदालत के 21 जुलाई, 2023 के आदेश के बाद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यह निर्धारित करने के लिए यहां काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया कि क्या मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर के पहले से मौजूद ढांचे के ऊपर किया गया था। एएसआई ने 18 दिसंबर 2023 को एक सीलबंद लिफाफे में जिला अदालत को अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपी थी। हिंदू याचिकाकर्ताओं द्वारा दावा किए जाने के बाद अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया था कि क्या 17वीं सदी की मस्जिद का निर्माण पहले से मौजूद मंदिर के अवशेषों के ऊपर किया गया था।

भाजपा अब 'रिश्तेदारवादी' हो गयी है : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि भाजपा सपा से आगे निकलकर 'रिश्तेदारवादी' हो गयी है।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को करहल विधानसभा क्षेत्र के दिव्हुली में चौधरी नत्थू सिंह यादव डिग्री कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर अखिलेश यादव के करहल संबोधन का एक अंश पोस्ट किया, आज चुनाव के नामांकन का आखिरी दिन है। भाजपा की भी सूची आ गई है। जो नारा वो लगाते थे कि हम लोग परिवारवादी हैं, लेकिन भाजपा अब हम लोगों से और आगे निकल गई है तथा अब वो 'रिश्तेदारवादी' हो गए हैं।

भाजपा ने करहल विधानसभा सीट पर अखिलेश यादव के चचेरे बहनोई अनुजेश यादव (आजमगढ़ के सांसद धर्मेन्द्र यादव के सगे बहनोई) को अपना उम्मीदवार बनाया है।

करहल विधानसभा क्षेत्र 1993 से सपा का गढ़ माना जाता है। इस पर मुलायम सिंह यादव के पोते एवं सपा उम्मीदवार व पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव और भाजपा के अनुजेश यादव के बीच आमना-सामना होगा। यह मुकाबला फूफा और भतीजे के बीच होगा। अनुजेश यादव सपा के तेज प्रताप यादव के रिश्ते में फूफा लगते हैं।

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव आगामी 13 नवंबर को होगा और परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे

इस बीच, सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार यादव ने करहल में अपने संबोधन में कहा, ''भाजपा जानती है वह करहल और मिल्कीपुर कभी नहीं जीत पायेगी। मिल्कीपुर में तमाम प्रयासों के बावजूद भाजपा आंतरिक सर्वेक्षण में हार रही है इसीलिए वहां चुनाव टाल दिया गया है। भाजपा के लोग करहल का भी गणित जानते हैं कि वे हार रहे हैं।''

केंद्र सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने में विफल : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की शुक्रवार को निंदा की और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की नीतियां इस केंद्रशासित राज्य में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और जल्द से जल्द वादी में अमन बहाल कर सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को सेना के एक वाहन पर हमला दिया था जिसमें दो जवान शहीद हो गए और दो कुलियों की मौत हो गई। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर में सेना के वाहन पर हुए कायराना हमले में हमारे वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। हमले में दो पोर्टर्स ने भी अपनी जान गंवा दी। शहीदों को नमन करता हूं और सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र की राजग सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रही हैं।

राहुल गांधी का कहना है कि सरकार के दावों के विपरीत, हकीकत यह है कि प्रदेश निरंतर आतंकी गतिविधियों, हमारे जवानों पर हमलों और नागरिकों की लक्षित हत्याओं के कारण खतरे के साए में जी रहा है।

भारत यात्रा पर आईं वेनेजुएला की कार्यकारी उपराष्ट्रपति ने धनखड़ से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। भारत की यात्रा पर आईं वेनेजुएला की कार्यकारी उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने शुक्रवार को यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। इस दौरान हुई बातचीत आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर केंद्रित रही।

उपराष्ट्रपति सचिवालय ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि धनखड़ और रोड्रिग्ज के बीच चर्चा आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने, लोगों से लोगों के बीच संबंधों में वृद्धि, योग और आयुर्वेद को प्रोत्साहन देने तथा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही। इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रोड्रिग्ज के आगमन की घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वेनेजुएला की कार्यकारी उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज का भारत आने पर हार्दिक स्वागत है।'' जायसवाल ने कहा कि उनकी यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।

मेरठ और सहारनपुर में मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे, जान माल का नुकसान नहीं

मेरठ/सहारनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ और सहारनपुर के अलग-अलग क्षेत्रों में मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गये। हालांकि, इससे जान-माल की कोई क्षति नहीं हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मेरठ में सिटी स्टेशन रेलवे यार्ड जा रही एक मालगाड़ी बेपटरी हो गयी। मुरादाबाद रेलवे के पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शुक्ला ने मेरठ की घटना की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शंटिंग के दौरान मालगाड़ी की एक बोगी के दो चक्के आज सुबह करीब 9:10 बजे सिटी स्टेशन पर पटरी से उतर गये। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से हिंसा रोकने, भारत के साथ मित्रता का रास्ता खोजने का किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि गुलमर्ग जैसे हमले तब तक होते रहेंगे जब तक भारत और पाकिस्तान मित्रता का रास्ता नहीं खोज लेते। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर जम्मू कश्मीर की समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग के पास बृहस्पतिवार को आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो कुलियों और दो जवानों की मौत हो गयी थी। इस हमले में एक जवान और एक कुली घायल हो गए। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ''इस राज्य में ऐसे हमले होते रहेंगे। आप जानते हैं कि वे कहां से आते हैं और यह तब तक नहीं रुकेगा जब तक इस समस्या से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल जाता। मैं पिछले 30 वर्ष से यह देख रहा हूं, निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनने जा रहे हैं। तो फिर वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? हमारे भविष्य को बर्बाद करने के लिए? हमें गरीब बनाने के लिए?''पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में समस्या पैदा करने के बजाय पाकिस्तान को अपनी दुर्दशा पर ध्यान देना चाहिए और अपनी बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''वे खुद तो बर्बाद हो ही रहे हैं, साथ ही हमें भी बर्बाद कर रहे हैं।'' अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से हिंसा रोकने और भारत के साथ दोस्ती का रास्ता तलाशने की अपील की। उन्होंने कहा, ''अगर वे कोई रास्ता नहीं तलाशते हैं, तो भविष्य बहुत मुश्किल होगा।'' नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार के हमले में शहीद हुए दो सैनिकों के साथ ही मारे गए दो कुलियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, ''मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जो शहीद हुए हैं। मैं उनके परिवारों से माफी मांगता हूं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि हाल के विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान हताश है, अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या हुआ।

अमरोहा में स्कूल वैन पर गोलीबारी, मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरोहा/भाषा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के गजरौला थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह नकाबपोश बदमाशों ने एक स्कूल वाहन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

इस मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी ने राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि अपराधी उत्तर प्रदेश में ऐसी 'सीरियाई घटना' को अंजाम देने का दुस्साहस कर कानून व्यवस्था के मुंह पर तमाचा जड़ रहे हैं और मुख्यमंत्री उपचुनाव में जुमलेबाजी की तैयारी कर रहे हैं।

इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) श्वेताभ भास्कर ने बताया कि वैन चालक को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई। उन्होंने बताया कि बच्चे और चालक सुरक्षित हैं।

सीओ ने बताया कि घटना के संबंध में गजरौला थाने में तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक संदिग्ध को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, स्कूल वैन में कुल 28 बच्चे सवार थे।

झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन फिर से सरकार बनाएगा : लालू प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)सुप्रीमो लालू प्रसाद ने शुक्रवार को दावा किया कि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाला 'इंडिया' गठबंधन एक बार फिर आसानी से सरकार बनाएगा।

प्रसाद ने पटना में संवाददाताओं से कहा,''झारखंड में जिन सीट पर राजद चुनाव लड़ रही है, उन सभी पर जीतेगी। हम (झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन) झारखंड में अच्छे अंतर के साथ दोबारा सरकार बनाएंगे।'' लालू प्रसाद से संवाददाताओं ने पूछा कि क्या वह स्वयं झारखंड में 'इंडिया' गठबंधन उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे?इसके जवाब में राजद प्रमुख ने कहा, ''हां, मैं 'इंडिया' गठबंधन उम्मीदवारों के साथ-साथ राजद उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करूंगा। मैं जल्द ही प्रचार के लिए झारखंड जाऊंगा। तेजस्वी पहले से ही झारखंड में प्रचार कर रहे हैं।'' झारखंड में 81 सदस्यीय विस के लिए 13 व 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। राजद सुप्रीमो ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि उन्होंने हाल ही में अररिया से भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह के विवादित बयान पर चुप्पी साध रखी है।

त्रिपुरा: जिम्नास्ट दीपा कर्माकर के कोच बिश्वेश्वर नंदी भाजपा में शामिल

अगरतला/भाषा। भारत को 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक दिलाने वाली जिम्नास्ट दीपा करमाकर के कोच बिश्वेश्वर नंदी शुक्रवार को यहां अपने आवास पर एक साधारण समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। अगरतला के महापौर एवं भाजपा विधायक दीपक मजूमदार ने नंदी का पार्टी में स्वागत किया।

जिम्नास्टिक में महत्वपूर्ण योगदान के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त कर चुके नंदी ने कहा, ''मैं इस बात से बहुत प्रभावित हूं कि भाजपा देश को किस प्रकार संचालित कर रही है, फिर चाहे वो खेल हो या अन्य क्षेत्र। यही कारण है कि मैं पार्टी में शामिल हुआ। उन्होंने 2036 ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियों पर चर्चा करने को लेकर हाल ही में केंद्रीय खेल मंत्री के साथ एक वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

स्पिनरों की चुनौती का सामना नहीं कर सका भारत, न्यूजीलैंड को 301 रन की मजबूत बढत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी कलई खुल गई और दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को न्यूजीलैंड ने 301 रन की मजबूत बढत बना ली ।

मिचेल सेंटनेर के सात विकेट के बाद टॉम लाथम (86) ने बल्ले से कमाल करते हुए न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 198 रन तक पहुंचाया । न्यूजीलैंड को पहली पारी में 103 रन की बढत मिली थी । दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर टॉम ब्लंडेल 30 और ग्लेन फिलिप्स सात रन बनाकर खेल रहे थे । भारत के लिए एकमात्र अच्छी बात वॉशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन रही जिन्होंने मैच में 11 विकेट ले लिए हैं । न्यूजीलैंड की नजरें भारत में शृंखला में ऐतिहासिक जीत पर लगी है । पहली बार न्यूजीलैंड ने 1955 . 56 के दौरे पर यहां शृंखला जीती थी। भारतीय बल्लेबाजों को इस पिच पर खेलने में दिक्कत आ रही थी लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आराम से खेला । बेंगलूरु में पिछले टेस्ट में घरेलू मैच में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर सिमटने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड से 36 साल में पहली बार अपने देश में टेस्ट हारी थी ।

भारत ने इंग्लैंड से 2012 . 13 सत्र में हारने के बाद अपनी सरजमीं पर टेस्ट शृंखला नहीं गंवाई है । भारतीय टीम पहली पारी में 45 . 3 ओवर में 156 रन पर आउट हो गई । भारत ने सुबह के सत्र में छह विकेट 91 रन के भीतर गंवाये और ऐसा लग रहा था कि इस पिच पर बल्लेबाजी मुश्किल है लेकिन कीवी टीम ने इस धारणा को बदल दिया । कप्तान लाथम ने भारतीय स्पिनरों को आसानी से खेला । वह 133 गेंद में दस चौकों की मदद से 86 रन बनाकर आउट हुए ।

भारत के लिए सुंदर ने पहली पारी में सात विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में चार विकेट चटकाये । न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनेर ने 53 रन देकर सात विकेट झटककर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे यहां एमसीए स्टेडियम में भारतीय टीम पहली पारी में 156 रन पर सिमट गई। भारत के सितारा बल्लेबाज सेंटनेर से मिली चुनौती का सामना नहीं कर सके जिससे न्यूजीलैंड ने मेजबान टीम को पहली पारी में 45 . 3 ओवर में 156 रन पर आउट करके 103 रन की बढत ले ली ।

विश्व चैंपियनशिप विवाद: प्रभावित पहलवानों ने खेल मंत्री का दरवाजा खटखटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अल्बानिया में 28 अक्टूबर से शुरू होने वाली विश्व चैंपियनशिप से कुछ दिन पहले इस प्रतियोगिता के लिए चुने गए 12 भारतीय पहलवान खेल मंत्री मनसुख मांडविया के आवास के बाहर डेरा जमाए हुए हैं और इससे हटने के भारतीय कुश्ती महासंघ के फैसले पर उनसे हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

डब्ल्यूएफआई ने गुरुवार को तीनों भारतीय टीमों को चैंपियनशिप से हटाने का फैसला किया क्योंकि साक्षी मलिक के पति पहलवान सत्यव्रत कादियान ने अंडर 23 और सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल आयोजित करने के महासंघ के फैसले के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। उनका कहना था खेल संस्था अदालत की अवमानना कर रही थी जिसने कुश्ती के संचालन के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त किए गए तदर्थ पैनल के अधिकार को बहाल कर दिया था। डब्ल्यूएफआई को मंत्रालय ने निलंबित कर दिया था जबकि आईओए ने तदर्थ पैनल को फिर से शुरू करने से इनकार कर दिया है, जिससे खेल और पहलवानों का भविष्य अधर में लटक गया है। महिलाओं के 65 किग्रा में जगह बनाने वाली मनीषा भानवाला ने कहा,''विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने तक 10-12 साल लग जाते हैं और अब जब यह मौका हमें मिला है तो उसे छीना जा रहा है। आखिर हमारी गलती क्या है।'' उन्होंने कहा, ''जिन पहलवानों ने विरोध प्रदर्शन किया था उनका करियर समाप्त हो चुका है तो अब वे हमारे करियर के साथ क्यों खेल रहे हैं। जूनियर पहलवानों को उनके समर्थन की जरूरत नहीं है। अगर हमें विश्व चैंपियनशिप के लिए नहीं भेजा गया तो हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।''

सुविचार

यह समस्त संसार माया के रूप में है। इस माया के प्रभाव के कारण ही मनुष्य जन्म-मरण के चक्र में फंसा रहता है। अतः मनुष्य को ईश्वर का चिंतन करने से माया समझ में आती है, तभी वह अपने लिए मोक्ष का मार्ग बनाने में सफल होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'विष' को मुंह क्यों लगाएं?

बिहार में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौतें होना अत्यंत दु:खद है। यह भी एक विडंबना है कि जब ऐसे मामले सामने आते हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष आरोप-प्रत्यारोप में उलझ जाते हैं। बिहार में भी यही हो रहा है। एक ओर जहां राजद शराबबंदी के बावजूद ऐसी घटना के लिए जद (यू) पर हमला बोल रहा है, दूसरी ओर जद (यू) इस विपक्षी दल की नीतियों पर निशाना साध रहा है। क्या समस्या का समाधान ऐसे होगा? बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब शराबबंदी का फैसला लिया था तो उस दौरान इस पहलू पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। शराब पर प्रतिबंध लगा देने का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि वहां (शराब की) खपत नहीं होगी! जिन लोगों को इसकी लत लग जाती है, वे दूसरे 'रास्ते' ढूंढने लगते हैं। चूंकि 'मांग' तो अपनी जगह रहती ही है, वहां 'पूर्ति' करने के लिए 'अन्य विकल्प' पैदा होने लगते हैं। सरकार को चाहिए था कि वह 'अन्य विकल्प' उपलब्ध कराने वालों पर पहले सख्ती करती। उनका नेटवर्क ध्वस्त करती। उसके बाद चरणबद्ध तरीके से शराबबंदी लागू करती। बेशक शराब एक बुरी चीज है। यह स्वास्थ्य और धन को बर्बाद करती है। इसने कई परिवारों का सुख-चैन तबाह कर दिया। प्राय: हर इलाके में ऐसे लोग मिल जाते हैं, जिन्हें शराब की लत लगी तो अपना सबकुछ उसी में डुबो बैठे। कई बच्चों का बचपन इस वजह से सुखद नहीं रहा, क्योंकि पिता को शराब की लत लग गई थी। महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा के प्रमुख कारणों में से एक शराब भी है। लिहाजा इसके सेवन को तो हर परिस्थिति में हतोत्साहित करना ही चाहिए।

शराबबंदी के पीछे बिहार सरकार की मंशा सही है। इसके साथ अधिकारियों को खूब सतर्क रहना चाहिए कि कहीं भी (अवैध ढंग से) शराब बनाने और बेचने की घटना न हो। हर सरकार के पास अपने राज्य में अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पूरा तंत्र होता है। इसके बावजूद शराब की भट्टियों, बोतलों और तस्करों के नेटवर्क पर नजर नहीं पड़ी ... वह शराब आम लोगों तक पहुंच गई और दर्जनों लोगों की जानें चली गईं! यह कैसे हुआ? इस घटना से संदेह पैदा होता है कि सरकारी तंत्र में कहीं-न-कहीं कमजोर कड़ियां जरूर हैं। जो लोग परंपरागत तरीके से शराब बनाते हैं, उसके लिए कुछ 'अनुभव' जरूरी होता है। कोई व्यक्ति रातोंरात इसे नहीं बना सकता। क्या पुलिस ऐसे लोगों की पहचान नहीं कर सकती? यह पता लगाना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। प्राय: ऐसे लोग अपने इलाकों में इसी 'धंधे' की वजह से जाने जाते हैं। अगर उन पर समय रहते सख्ती नहीं की जाती तो कालांतर में उनकी जड़ें मजबूत होने लगती हैं। जो लोग अवैध शराब बेचते / पहुंचाते हैं, वे पुलिस की नजरों से कैसे बच जाते हैं? इतने बड़े स्तर पर लोगों तक अवैध शराब पहुंचाई गई और पुलिस को भनक तक नहीं लगी! जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, वे दम तोड़ने लगे और मीडिया ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, तब फौरन कार्रवाइयां शुरू हो गईं। अगर इसमें लिप्त लोगों पर सख्ती से शिकंजा कसा जाता तो आज कई परिवारों में मातम नहीं छाया रहता। जहरीली शराब से होने वाली मौतों को टालने के लिए विशेषज्ञ कई सुझाव देते हैं, जिनमें सरकारी अनुमति से बिकने वाली शराब की बहाली से लेकर पूरी प्रणाली को ऑनलाइन करने, सिर्फ डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने, सेवनकर्ता का आधार कार्ड डेटा लेने आदि की बात की जाती है, ताकि इस बुराई को 'सीमित' किया जा सके। हालांकि उस स्थिति में भी इसके सीमित रहने में संदेह है। जिन्हें इसकी लत होती है, वे खुद के अलावा दोस्तों और परिचितों के नाम से खरीदकर पीने लगेंगे। शराब वैध हो या अवैध, यह नुकसान ही पहुंचाएगी। जब कुदरत ने दूध, लस्सी, शर्बत, फलों का जूस, गन्ने का रस, नींबू पानी समेत अनेक लाभदायक पेय उपलब्ध कराए हैं तो 'विष' को मुंह क्यों लगाएं? इस मामले में लोगों का दृढ़ इच्छाशक्ति और संयम बरतते हुए शराब से दूर रहना ही सबसे श्रेष्ठ विकल्प है।

ट्वीटर टॉक

किरोड़ी कहते हैं.. 'पत्थर तोड़ने वाले का नंबर आना चाहिए, कब तक बड़े नेता और उनके परिवार राजनीति करेंगे।' कांग्रेस ने उसी पत्थर तोड़ने वाले को मौका दिया है, दौसा की जनता इस बार परिवार को नहीं गरीब के बेटे डी.सी. बैरवा जी को चुनेगी।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ व्यक्तित्व मोहन मेघवाल के निवास स्थान पर आयोजित शोक सभा में सम्मिलित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किये । मोहन को राजनीति व समाज दोनों में समान सम्मान हासिल था। उनके योगदान प्रेरणा देते रहेंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

वरिष्ठ नेता श्री हरविंद्र कल्याण जी को सर्वसम्मति से हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं। आशा है सदन में लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाते हुए आप प्रदेश की विधायी परंपराओं व परिपाटियों को और अधिक समृद्ध बनाएंगे।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

साहस से ज्ञान

बहुत पहले की बात है। एक ग्यारह साल की बालिका का जीवन बदलने वाला था। उसे बाल विवाह या अपना उज्ज्वल भविष्य दोनों में से एक को चुनना था। यह होनहार बालिका रुक्माबाई थी। इस जागरूक बालिका ने बाल विवाह के बाद का विवाहित जीवन नकार कर आगे पढ़ने का फैसला किया। उनके इस विरोध के कारण अदालत में लंबा मुकदमा चला। आखिरकार अदालत ने उनके हक में फैसला दिया। इस तरह रूढ़िवाद के बंधन से मुक्त होने के बाद रुक्माबाई आजाद होकर अपनी पढ़ाई पर फोकस कर सकीं। इस बगावत के बाद इंग्लैंड जाकर उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई की। साल 1894 में रुक्माबाई ने लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन फॉर वीमेन से डॉक्टर ऑफ मेडिसिन यानी एमडी की डिग्री हासिल की। वह देश की पहली महिला चिकित्सक बनीं।

सामयिक

इजरायल की समस्या यह है कि आखिर वह भरोसा किस पर करे... किसके भरोसे चारों तरफ से घेरे बैठे शत्रुओं का सामना करे। मध्य-पूर्व एशिया के लिए अमेरिका में पूर्व डिप्टी असिस्टेंट डिफेंस सेक्रेटरी के पद पर कार्य कर चुके तथा सेवानिवृत सीआईए अधिकारी मिक मुलरोय के अनुसार इस लीक ने इजरायल की सुरक्षा स्थिति को और जटिल बना दिया है और इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

दस्तावेज 'लीक प्रकरण'

इजरायल का अगला कदम क्या होगा

चेतनादित्य आलोक

मोबाइल : 07870900083

एक अक्टूबर को ईरान की तरफ से इजरायल पर 150 से भी ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए जाने के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि इजरायली सेना (आईडीएफ) इसका बदला शीघ्र लेगी? गौरतलब है कि ईरान के मिसाइल हमलों के तुरंत बाद ही आईडीएफ और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा भी था कि ईरान को सही समय पर सही तरीके से जवाब दिया जाएगा और हाल के दिनों में इजरायल से जुड़ी मीडिया की कुछ खबरों से ये संकेत भी मिलने लगे थे कि इजरायल ने ईरान पर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करने की तैयारी पूरी कर ली है। 14-15 अक्तूबर को इससे संबद्ध आई खबरों के मुताबिक इजरायली सेना ने कथित तौर पर ईरान के उन ठिकानों की सूची भी तैयार कर ली थी, जिन पर वह तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में हमले करना चाहता था। फॉरेन पोस्ट की रिपोर्ट में यह दावा चैनल 12' न्यूज के हवाले से किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने ईरान पर हमले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योव गैलेंट को लक्ष्यों की एक सूची सौंपी थी। साथ ही उसने यह स्वीकार भी किया था कि आईडीएफ के लक्ष्य बिल्कुल साफ एवं स्पष्ट हैं और अब वह कभी भी जवाबी हमला कर सकता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि इजरायल ने ईरान पर हमले की योजना के बारे में अपने सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी अमेरिका को भी बता दिया है, लेकिन अमेरिका को हमले के विशिष्ट लक्ष्यों पर कोई अपडेट नहीं दिया है। रिपोर्ट में इसकी वजह ये बताई गई थी कि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील होने के कारण इजरायल अंतिम समय में भी अपना लक्ष्य बदल सकता है। इस मामले में आई ताजा खबरों के अनुसार इजरायल ईरानी परमाणु तथा ऊर्जा स्थलों पर हमले करने से बचेगा। ऐसा माना जाता है कि इजरायल ने अमेरिकी विरोध के बाद अपनी योजना बदल दी, अन्यथा पहले उसकी मंशा तेहरान में परमाणु साइट तथा ऊर्जा स्थलों और बुनियादी ढांचों पर हमला करने की थी। हालांकि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से यह कहा गया है कि वे अमेरिका की सलाह तो सुनेंगे, लेकिन अंतिम निर्णय स्वयं करेंगे। इन सारी बातों को लेकर अभी दुनिया भर में ऊहापोह की स्थिति कायम थी। मीडिया कर्मियों, राजनीतिक विश्लेषकों, रक्षा विशेषज्ञों एवं मध्य-पूर्व से जुड़े मुद्दों पर राय रखने वाले तमाम विशेषज्ञों द्वारा तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे और तभी अचानक इजरायल की ईरान पर हमले की उस योजना से जुड़ा दस्तावेज लीक हो गया, जिसके बाद दुनिया भर में इजरायल की बड़ी फजीहत हुई।

गौरतलब है कि लीक हुए दस्तावेज 15 एवं 16 अक्तूबर की तारीख वाले हैं, जिन पर टॉप सीक्रेट' की मुहर लगी हुई है। खबरों के अनुसार 18 अक्तूबर को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर' नामक अकाउंट पर इन्हें शेयर किया गया था। हालांकि इन दस्तावेजों के लीक होने के बाद शुरुआती दौर में ऐसा लगा था कि यह सारा मामला फर्जी पर है, परंतु इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि कर दी। फिर जब यह खबर आई कि अमेरिका इजराइल की ईरान पर हमले की योजनाओं से संबंधित बेहद गोपनीय जानकारी के लीक की जांच कर रहा है, तो शीघ्र ही मामला बिल्कुल साफ हो गया। वहीं, एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह लीक 'गंभीर चिंता' का विषय है। सचमुच, यह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इन दस्तावेजों में इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ हमले किए जाने को लेकर इजरायली सेना तथा खुफिया विभाग से जुड़ी तमाम महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल हैं। इनमें से कथित रूप से राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी वाला दस्तावेज यह बताता है कि इजराइल हथियारों को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जा रहा है, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से संबंधित कथित दस्तावेज में इजराइली वायु सेना द्वारा किए जा रहे अभ्यासों का विवरण मौजूद है, जिसमें सतह पर मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बताया गया है।

मामले की संवेदनशीलता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि लीक हुए दस्तावेजों में से एक में यह भी संकेत दिया गया है कि इजरायल के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं। गौरतलब है कि इजरायल स्वयं इसे आज तक सार्वजनिक रूप से पुष्टि करने से हमेशा बचता रहा है। इनके अतिरिक्त इन दस्तावेजों में यह भी बताया गया है कि अमेरिका को इस प्रकार का कोई संकेत नहीं मिला है कि इजरायल ईरान के विरुद्ध परमाणु हथियारों का उपयोग करने की योजना बना रहा है या नहीं। आश्चर्य होता है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर लीक कैसे हो गए, जिनकी पहुंच फाइव आइज' खुफिया गठबंधन तक ही सीमित थी। बता दें कि इस खुफिया गठबंधन में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस लीक प्रकरण' के बाद इजरायल और अमेरिका के संबंधों में खटास आ सकती है। वैसे यह तो सभी को पता ही है कि इजरायल और अमेरिका अच्छे दोस्त रहे हैं।

अमेरिका इजरायल को संकट के समय मदद करने वाला एक विश्वासी सहयोगी के रूप में जाना जाता रहा है, लेकिन देखा जाए तो हाल के दिनों में इजरायल और अमेरिका के संबंधों में थोड़ी दूरियां महसूस की जाती रही हैं। गौरतलब है कि कुछ सप्ताह पूर्व अमेरिका द्वारा इजरायल को गाजापट्टी में सीज-फायर' के दिए गए प्रस्ताव को इजरायली प्रधानमंत्री ने सिरे से खारिज करते हुए अपने हमले को न केवल जारी रखा था, बल्कि हमास के खात्मे तक हमले जारी रखने के अपने संकल्प को दोहराया भी था। बिल्कुल वैसे ही ईरान के मिसाइल हमले के जवाब में प्रस्तावित इजरायली हमले के संदर्भ में इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि वे अमेरिका की सलाह तो सुनेंगे, लेकिन अंतिम निर्णय स्वयं करेंगे। इजरायली प्रधानमंत्री के ये बयान यह बताने के लिए काफी हैं कि अमेरिका और इजरायल के बीच में दूरियां बढ़ी हैं और इस बार इजरायली सेना और खुफिया विभाग से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों के लीक हो जाने के बाद संभव है कि ये दूरियां और बढ़ जाएं। बता दें कि यह लीक प्रकरण' ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आया है, जब अमेरिका इजरायल से हमास नेता याह्या सिनवार की मौत का लाभ उठाने की बात तो कह ही रहा है, साथ ही वह गाजा में युद्धविराम पर एक बार फिर इजरायल से विचार करने का आग्रह भी कर रहा है। इसे अन्य प्रकार से कहा जाए तो यह लीक अमेरिका और इजरायल के संबंधों के बेहद नाजुक दौर में हुआ है, जो कि इजरायल को बेहद नाराज करने वाला है।

अब इजरायल की समस्या यह है कि आखिर वह भरोसा किस पर करे... किसके भरोसे चारों तरफ से घेरे बैठे शत्रुओं का सामना करे। मध्य-पूर्व एशिया के लिए अमेरिका में पूर्व डिप्टी असिस्टेंट डिफेंस सेक्रेटरी के पद पर कार्य कर चुके तथा सेवानिवृत सीआईए अधिकारी मिक मुलरोय के अनुसार इस लीक ने इजरायल की सुरक्षा स्थिति को और जटिल बना दिया है और इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। सेवानिवृत सीआईए अधिकारी मिक ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा- यदि यह सच है कि ईरान के हमले के जवाब में इजराइल की रणनीतिक योजनाएं लीक हुई हैं, तो यह एक गंभीर चूक है। 'बहरहाल, इस लीक प्रकरण' के बाद अब सारा दारोमदार इजरायल के कंधे पर है। इसलिए सबकी निगाहें उसके अगले कदम पर टिकी हैं। जाहिर है कि उसकी अगली चालों से ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि भविष्य में अमेरिका और इजरायल के बीच के संबंध कैसे रहने वाले हैं और साथ ही यह भी मालूम हो पाएगा कि इजरायल अपनी सुरक्षा स्थिति को और जटिल होने से बचा पाएगा अथवा अमेरिकी मोहरा बनकर उसके ईशारों पर नाचता रहेगा।

नजरिया

विश्व ने भारत से सीखा परोपकार

आर.के. सिन्हा

वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत बड़ा महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास: इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में दान को अहिंसा के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है। भारत भूमि की देन बौद्ध धर्म में भी दान का खासा महत्व है जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया।

रतन टाटा के निधन के पश्चात उनके परोपकारी कामों की विस्तार से चर्चा हो रही है। वैसे, जरा गौर करें तो न केवल टाटा समूह, बल्कि भारत के हरेक छोटे-बड़े लाखों कारोबारी या उद्योगपति अपने स्तर पर कुछ न कुछ परोपकार से जुड़े कामों में लगे हुए ही मिल जायेंगे। यह कहना सरासर गलत होगा कि परोपकार की भावना हमने यूरोप से सीखी है। यह कुछ नासमझ अज्ञानियों का प्रचार भर है। भारत में परोपकार की परंपरा प्राचीन काल से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया में विश्वास करने वाले हैं। अभी भी आपको पहली रोटी गौ माता को में विश्वास करने वाले लाखों लोग मिल जायेंगे। धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत बड़ा महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास: इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में दान को अहिंसा के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है। भारत भूमि की देन बौद्ध धर्म में भी दान का खासा महत्व है जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया। गांधी जी ने सर्वोदय के सिद्धांत पर बल दिया और ग्रामीणों की सेवा और विकास के लिए जीवन भर काम किया। मदर टेरेसा ने भी गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सेवा करके मानवता की सेवा की।

रतन टाटा की तरह बिड़ला समूह, अजीम प्रेमजी, नंदन नीलकेणी, शिव नाडार जैसे सैकड़ों उद्योगपति परोपकार से जुड़े कार्यों के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया दान देते हैं। भारत के कारोबारियों के डीएनए में समाज सेवा है। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरु से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। जमशेद जी के परोपकार के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद थे, जिसे अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी निभा रही है।इसी तरह जिस फक्कड़ संन्यासी के आशीर्वाद से घनश्याम दास बिड़ला ने अपना उद्योग जमाया, उस संन्यासी के आशीर्वाद से करनी और बरनी का काम आज भी बिड़ला समूह अपना रहा है। यह अपने धर्मार्थ कार्यो के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी टाटा को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है।तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा।स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और ज़्यादा धन अर्जित करो और ज़्यादा लोगों को रोज़गार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो। मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे। स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढिया संस्थान शुरू कर दिया जो आज इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है, या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज़्यादा आईआईएस में जाना ज़्यादा पसंद करते हैं।

महात्मा बुद्ध, गुरु नानक, और अन्य संतों ने भी परोपकार पर जोर दिया। मध्ययुगीन भारत में, राजाओं और धनिकों द्वारा अनेक धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना की गई, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, और गरीबों की सहायता के लिए समर्पित थे। आपको हरेक गांव, कस्बे, शहर वगैरह में गैर सरकारी प्रयासों से चल स्कूल, कॉलेज, धर्मशालाएं, लंगर और प्याऊ वगैरह मिल जाते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने दीन-दुखिया जन के लिए सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका मानना था कि सामाजिक सेवा ही सच्चा धर्म है। विवेकानंद ने सर्वधर्म समभाव और मानवतावाद का संदेश देते हुए, हर व्यक्ति के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है।

अभी कुछ दिन पहले शारदीय नवरात्र समाप्त हुए। इस दौरान देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम शहरों में भंडारे चलते रहे। आप कह सकते हैं इस दौरान भंडारों की बहार थी। सब भंडारे के प्रसाद को प्रसन्नता पूर्वक ग्रहण कर रहे थे। भंडारों में समाज वादी व्यवस्था वास्तव में बहुत प्रभावशाली होती है।

भंडारों में प्रसाद के रूप में बंटते हैं छोले, कुलचे, हलवा, पूढ़ी-आलू, ब्रेड पकोड़ा आदि। कुछ भंडारों में खीर का प्रसाद भी वितरित होता है। देश की राजधानी दिल्ली भंडारों की भी राजधानी है। कहने वाले कहते हैं कि कैसेट किंग गुलशन कुमार ने भंडारा संस्कृति का पुनर्जागरण किया था। उन्होंने वैष्णो देवी में भंडारे का आयोजन शुरू किया था। तब दिल्ली वाले वैष्णो देवी में जाकर गुलशन कुमार की तरफ से चलने वाले भंडारे में भोग अवश्य लगाया करते थे। यहां से ही भंडारा संस्कृति ने पैर जमाए थे। भंडारे के प्रसाद की बात ही अलग होती है। इसका स्वाद अतुल्नीय होता है। ये भंडारे की महिमा ही मानी जाएगी। भंडारा अपने आप में जात-पात और वर्ग की दीवारों को तोड़ता है। इसमें सब प्रेम से प्रसाद लेते हैं। भंडारे का प्रसाद पूरे अनुशासन से लिया जाता है। कनॉट प्लेस में रोज हजारों लोग नवरात्रों के दौरान भंडारे का प्रसाद खाते हैं।जो भंडारा आयोजित करते हैं, वे या तो हनुमान मंदिर के आगे से प्रसाद खरीद कर बांट देते हैं या फिर खुद ही कहीं से बनवा कर लाते हैं। भंडारों की एक खास बात ये भी है कि इनसे प्रसाद हिन्दू, मुसलमान,सिख, ईसाई सब ग्रहण करते हैं।

साउथ दिल्ली के पिलंजी गांव में कुछ युवकों ने कुछ साल पहले 'बालाजी कुनबा' नाम से एक संगठन स्थापित किया। इसका मकसद है भूखों की भूख मिटाना। ये हर रोज एम्स, सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया अस्पातल के आगे बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश वगैरह से रोगियों के साथ आए तीमारदारों को भरपेट भोजन करवाते हैं।

कौन हैं बालाजी कुनबा के सदस्य? यह सब हनुमान जी के भक्त हैं। इनकी कारों पर हनुमानजी की तस्वीर वाला एक बैनर लगा होता है। जिस पर 'बालाजी कुनबा- एक परिवार भूख के खिलाफ' लिखा रहता है। भंडारे के लिए पैसे का जुगाड़ पिलंजी गांव के लोग ही करते हैं। यह अधिकतर गुर्जर समाज से संबंध रखते हैं। आप भंडारा संस्कृति को भी तो जन सेवा ही कहेंगे। क्या अब भी किसी को बताने की जरूरत है कि परोपकार औस समाज सेवा तो हरेक भारतीय के जीवन का हिस्सा है। यकीन मानिए आपको अमेरिका या यूरोप में कहीं कोई भंडारा नहीं मिलेगा। अब आप भारत और यूरोप अंतर को समझ गए होंगे।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कनाडा में पढ़ाई के इच्छुक भारतीय छात्रों को वहां जाने के बारे में सोच-समझकर फैसला लेना चाहिए : वर्मा

नई दिल्ली/भाषा

भारत के शीर्ष राजनयिक का कहना है कि कनाडा में अध्ययन करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों को गंभीरता से सोचना चाहिए, क्योंकि लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद कई छात्र घटिया कॉलेजों में दाखिला ले लेते हैं और उन्हें नौकरी का कोई मौका नहीं मिलता, जिसके परिणामस्वरूप वे अवसादग्रस्त हो जाते हैं और आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर होते हैं।

भारत द्वारा कनाडा से वापस बुलाए गए राजनयिक संजय वर्मा ने इस सप्ताह 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''मेरे कार्यकाल के दौरान एक समय ऐसा भी था जब हर सप्ताह कम से कम दो छात्रों के शव 'बॉडी बैग' में रखकर भारत भेजे जाते थे।'' उन्होंने कहा, ''असफल होने के बाद अपने माता-पिता का सामना करने के बजाय, वे आत्महत्या कर लेते।'' खालिस्तानी अलगाववादी मुद्दे पर कनाडा के साथ बढ़ते कूटनीतिक विवाद के बीच वर्मा इस महीने की शुरुआत में भारत लौट आए थे। एक कनाडाई नागरिक की जून 2023 में हुई हत्या के सिलसिले में कनाडा ने हाल में कहा था कि वर्मा को ''जांच के तहत निगरानी की श्रेणी में'' रखा गया है।

इस कनाडाई नागरिक को भारत द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी घोषित किया गया था। कनाडा द्वारा आगे की कार्रवाई करने से पहले, नई दिल्ली ने वर्मा और उन पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था।

वर्मा ने कहा कि अगर कनाडा के साथ उनके रिश्ते अच्छे होते तब भी वह अभिभावकों को यही सलाह देते। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह अपील खुद एक पिता होने के नाते की है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, 'वे (छात्र) वहां उज्ज्वल भविष्य का सपना लेकर जाते हैं लेकिन उनके शव 'बॉडी बैग' में वापस आते हैं।''

खुशी

नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा-महायुति उम्मीदवार देवेंद्र फडणवीस के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले उनके समर्थक खुशी मनाते हुए।

ब्रिटिश भारतीय अभिनेता लंदन में रंचमंच अभिनय की शुरुआत करेंगे

लंदन/भाषा। ब्रिटिश भारतीय अभिनेता धर्मेश पटेल मशहूर अमेरिकी निर्माता स्टैनली कुब्रिक की 1960 के दशक की फिल्म 'डॉ. स्ट्रेंजलव' पर आधारित बहुप्रतीक्षित नाटक के जरिए रंगमंच अभिनय में पदार्पण कर रहे हैं। इस नाटक का शुक्रवार से लंदन के मशहूर थिएटर वेस्ट एंड में मंचन शुरू होगा।

ब्रिटेन में रॉयल शेक्सपियर कंपनी (आरएससी) प्रोडक्शन के साथ काम कर रहे पटेल इसमें लिंकन की भूमिका निभाएंगे।

नाटक का निर्देशन लोकप्रिय अभिनेता-हास्य कलाकार स्टीव कूगन कर रहे हैं। नाटक की पटकथा स्कॉटलैंड के प्रख्यात राजनीतिक व्यंगकार अर्मांडो इन्नुची और हास्य कलाकार सीन फोली ने लिखी है। पटेल ने 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा, मैं हमेशा अरमांडो इन्नुची का प्रशंसक रहा हूं और जब मैंने सुना कि उन्होंने सीन फोले के साथ इस प्रोडक्शन के लिए स्क्रिप्ट तैयार की है, तो मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। किसी भी अभिनेता के लिए वेस्ट एंड प्रोडक्शन का बहुत महत्व होता है और मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि मैं वेस्ट एंड के साथ पदार्पण करने जा रहा हूं।

पटेल के माता-पिता आप्रवासी थे। पटेल बचपन में एक पारिवारिक दुकान में काम करते थे, लेकिन पहले से ही उन्हें थिएटर का काफी शौक था।

कनाडा ने आतंकवादियों के प्रत्यर्पण संबंधी केवल पांच अनुरोधों का समाधान किया: भारतीय राजनयिक

नई दिल्ली/भाषा

कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादियों के प्रत्यर्पण के लिए भारत की ओर से भेजे गए 26 अनुरोधों में से केवल पांच का समाधान किया है और बाकी अब भी अधर में हैं। कनाडा में भारत के एक शीर्ष राजनयिक ने यह जानकारी दी है। राजनयिक ने इसे 'निष्क्रियता' का परिणाम भी बताया है। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा ने इस सप्ताह 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में बताया कि पांच आतंकवादियों को प्रत्यर्पित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि वह न तो नाम का खुलासा करने के लिए अधिकृत हैं, न ही विवरण देने के लिए।

वर्मा का यह साक्षात्कार बुधवार को हुआ। वह कुछ दिन पहले ही नई दिल्ली लौटे हैं। भारत ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या की कनाडाई जांच में ''रुचि रखने वाले व्यक्ति'' के तौर पर ओटावा द्वारा नामित किये जाने के बाद वर्मा एवं पांच अन्य भारतीय राजनयिकों को वापस बुला लिया है। निज्जर कनाडाई नागरिक था। कनाडा द्वारा वहां की लगभग आठ लाख की बड़ी सिख आबादी के बीच खालिस्तानी आतंकवादियों को मौन समर्थन दिए जाने के मुद्दे पर द्विपक्षीय संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारत ने कनाडा पर खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों को रोकने के लिए कुछ भी नहीं करने का आरोप लगाया है। ये खालिस्तान समर्थक भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पास जो आखिरी जानकारी थी, उसके अनुसार उनमें से पांच का समाधान हो चुका है। इक्कीस अब भी लंबित हैं और ये दशकों से लंबित हैं। इसलिए, मैं कहूंगा कि यह निष्क्रियता है। सभी मुद्दे जो किसी देश की न्यायिक प्रणाली के तहत आते हैं, उनके लिए कभी-कभी परामर्श की आवश्यकता होती है, क्योंकि हम दो अलग-अलग न्यायिक प्रणालियों का अनुसरण करते हैं।''

वर्मा ने कहा, ''लेकिन, अगर पिछले चार-पांच या 10 वर्षों में कोई कार्रवाई नहीं हुई है, तो मैं इसे केवल निष्क्रियता ही कहूंगा।'' विदेश मंत्रालय ने हाल ही में कहा है कि 26 प्रत्यर्पण अनुरोध ऐसे लोगों के लिए हैं, जिन पर भारत में आतंकवाद और संबंधित अपराधों के आरोप हैं।

अभिनेत्री काजोल और अजय देवगन मुंबई में आगामी फिल्म 'दो पत्ती' के रेड कार्पेट इवेंट में शामिल हुए।

मालदीव ने भारत के साथ पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा की

माले/भाषा। भारत और मालदीव ने पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं को लेकर चर्चा की है। मीडिया में शुक्रवार को एक खबर में यह बात कही गई। यह घटनाक्रम मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू द्वारा नई दिल्ली की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के दौरान भारत को उनके देश के लिए ''सबसे बड़े पर्यटन स्रोत बाजारों में से एक'' बताए जाने और यह उम्मीद जताए जाने के कुछ दिन बाद हुआ है कि अधिक भारतीय पर्यटक द्वीपसमूह राष्ट्र के भ्रमण पर आएंगे। उनकी यात्रा के दौरान, भारत ने 7 अक्टूबर को इस बात पर जोर दिया था कि मालदीव के साथ उसके मैत्रीपूर्ण संबंध जारी रहेंगे क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति मुइज्ज़ू ने व्यापक आर्थिक एवं समुद्री सहयोग के लिए एक खाका पेश किया। यह 2023 के अंत और 2024 की शुरुआत में मुश्किल दौर में पहुंचे संबंधों के फिर से सही दिशा की ओर बढ़ने का संकेत है।

सरकार संचालित पीएसएम मीडिया ने शुक्रवार को कहा कि मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल ने बृहस्पतिवार को मालदीव में भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर के साथ लामू एटोल में बारेसधू और गाधू में पर्यटन विकास के अवसरों पर चर्चा की।

फैसल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह महावर के साथ लामू एटोल का एक ''सार्थक दौरा'' था, जहां दोनों ने ''पर्यटन निवेश और विकास के लिए रोमांचक संभावनाएं'' तलाशने पर विमर्श किया। महावर, फैसल और दोनों पक्षों के अन्य अधिकारियों ने लामू एटोल दौरे के हिस्से के रूप में बारेसधू और गाधू का दौरा किया। फैसल ने पोस्ट में कहा, ''पर्यटन विकास के लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में इसकी क्षमता और इस बारे में चर्चा की गई कि हम द्वीप की प्राकृतिक सुंदरता एवं विरासत को संरक्षित करते हुए विकास के नए अवसरों को कैसे मूर्त रूप दे सकते हैं।''

महावर ने उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा, ''पर्यटन क्षेत्र हमारे द्विपक्षीय सहयोग का एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है तथा हम इस साझेदारी को और बढ़ाने के लिए मालदीव सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।'

विलाप

बारामुल्ला में आतंकवादी हमले में मारे गए मुश्ताक अहमद के पैतृक गांव नौशेरा, उरी में अंतिम संस्कार के दौरान लोग विलाप करते हुए।

ओटीटी पर काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं, सिनेमाघरों में फिल्मों का प्रदर्शन चाहता हूं : धूलिया

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता तिग्मांशु धूलिया ने कहा है कि वह थियेटर शैली यानी सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली फिल्में बनाने के इच्छुक हैं क्योंकि 'स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म' या ओटीटी वैसा रचनात्मक स्थान नहीं बन पाए हैं, जैसा उन्होंने सोचा था। पान सिंह तोमर व साहेब बीवी और गैंगस्टर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर धूलिया ने क्रिमिनल जस्टिस, द ग्रेट इंडियन मर्डर और गर्मी जैसे ओटीटी शो बनाए हैं और यहां तक कि तांडव, रंगबाज वह कालकूट जैसे शो में अभिनय भी किया है। फिल्म निर्माता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ओटीटी पर लोगों को कंटेंट की समझ नहीं है। मुझे ओटीटी पर काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, अगर मैं ऐसा करता भी हूं तो इसका मतलब है कि घर में पैसा नहीं है। मैंने ओटीटी पर काम किया था और मैंने देखा कि यह कैसे काम करता है। इसलिए अब मैं इसे 'एक्सप्लोर' करना नहीं चाहूंगा। मैं अपनी फिल्मों के सिनेमाघर में प्रदर्शन का प्रयास करूंगा। धूलिया इस समय फिल्म उद्योग की एक प्रमुख हस्ती पर आधारित बायोपिक पर काम कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। उन्होंने प्रतीक गांधी अभिनीत अपनी फिल्म 'घमासान' के बारे में बताया कि इसका प्रदर्शन सिनेमाघरों में किया जाएगा। धूलिया ने कहा, ''इसे ओटीटी पर रिलीज नहीं किया जाएगा। यह बेकार है।''फिल्म निर्माता ने कहा, मैं एक बड़ी फिल्म पर काम कर रहा हूं। इसमें काफी समय लगेगा। यह फिल्म उद्योग की एक शख्सियत की बायोपिक है। मैं इसे लिख रहा हूं।

हिडिम्बा मंदिर पहुंचीं सारा अली खान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा अली खान अक्सर मंदिरों में दर्शन पूजन करने पहुंचती हैं। कभी केदारनाथ तो कभी उज्जैन के महाकालेश्वर में ईश्वर भक्ति में लीन दिखती हैं। जहां भी जाती हैं फैंस को अपडेट करना नहीं भूलतीं। एक बार फिर उन्होंने ऐसा ही कुछ किया है। इस बार वो हिमाचल प्रदेश स्थित मां हिडिम्बा के दरबार में पहुंचीं। दरअसल, अभिनेत्री हिमाचल प्रदेश फिल्म की शूटिंग के लिए पहुंची हैं।

उनके साथ आयुष्मान खुराना भी हैं। यहीं से सारा ने तस्वीरों की श्रृंखला इंस्टाग्राम पर शेयर की। इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर शेयर कर लिखा 'हिडिम्बा मंदिर'। सारा अली खान वर्तमान में आयुष्मान खुराना के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना अहम भूमिका में हैं। फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक हैं। पहली तस्वीर में सारा निर्देशक और अभिनेता के साथ एक अलाव के पास बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर में अभिनेत्री काले और सफेद रंग की हुडी के साथ गहरे रंग की जींस और इयर मफ्स में नजर आ रही हैं।

कौशिक और आयुष्मान ने भी काले रंग के कपड़े पहन रखे हैं। सारा अली खान ने 24 मीटर ऊंचे हिडिम्बा देवी मंदिर से अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह गर्भ गृह के पास बैठी हुई हैं। सारा ने लाल चुनरी भी ओढ़ रखी है। मंदिर को स्थानीय लोग धुंगरी मंदिर के रूप में जानते हैं। मंदिर हिमालय की तलहटी में धुंगिरी वन विहार नामक देवदार के जंगल से घिरा हुआ है। मंदिर एक विशाल चट्टान पर बना है, जिसकी गांव वाले पूजा करते हैं।

सारा और आयुष्मान किसी फिल्म में पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। आयुष्मान खुराना पिछले साल 2023 की कॉमेडी ड्रामा फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में नजर आए थे, जो कि 2019 की फिल्म ड्रीम गर्ल का सीक्वल थी। फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अनन्या पांडे, परेश रावल, अन्नू कपूर, राजपाल यादव, विजय राज, असरानी, ङ्कअभिषेक बनर्जी, मनजोत सिंह और सीमा पाहवा भी दिखे थे। वहीं, सारा अली खान 'ऐ वतन मेरे वतन' में नजर आई थीं। 1942 में भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर बनी फिल्म एक बहादुर युवा लड़की की कहानी थी। ये स्वतंत्रता सेनानी ऊषा मेहता की जिंदगी पर बनी कहानी थी। मेहता ने उस दौर में एकता का संदेश फैलाने के लिए रेडियो स्टेशन शुरू किया था।

फिल्म 'अमरन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म अमरन का ट्रेलर रिलज हो गया है। अमरन के ट्रेलर की शुरुआत एक अधिकारी द्वारा मेजर मुकुंद से कही गई एक दमदार लाइन से होती है, आप 44 आरआर नहीं चुनते, बल्कि 44 आरआर आपको चुनती है, जो आगे आने वाली वीरता की शुरुआत करती है। मेजर मुकुंद (शिवकार्तिकेयन) के निजी जीवन की झलकियाँ सामने आती हैं, जिसमें सेना में शामिल होने के उनके फ़ैसले पर उनके परिवार की प्रतिक्रिया और उनके और सिंधु (साई पल्लवी) के बीच की प्रेम कहानी शामिल है।

अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर करते हुए, निर्माताओं में से एक कमल हासन ने लिखा, नेता शायद ही कभी कोई पुराना रास्ता चुनते हैं। वे एक ऐसा रास्ता बनाते हैं जहाँ कोई रास्ता नहीं होता और एक नया रास्ता बनाते हैं। तमिलनाडु के मेजरमुकुंदवरदराजन ऐसे ही एक नेता हैं।

हमें उनकी कहानी सुनाने में गर्व महसूस होता है। शिव अरूर और राहुल सिंह की किताब इंडियाज मोस्ट फियरलेस में दर्ज वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित, अमरन एक सच्चे नायक को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। ट्रेलर को कई भाषाओं में रिलीज़ किया गया है, जिसमें उल्लेखनीय हस्तियों ने इसकी पहुंच को बढ़ाया है। नानी ने इसे तेलुगु में, टोविनो थॉमस ने मलयालम में, शिव राजकुमार ने कन्नड़ में और आमिर खान ने हिंदी में रिलीज़ किया है। ट्रेलर एक भावनात्मक नोट पर समाप्त होता है, जिसमें मेजर मुकुंद की बेटी सिंधु से पूछती है, तुमने मुझसे कहा था कि अप्पा मेरे जन्मदिन पर आएंगे, क्या वे आएंगे?

राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित और कमल हासन द्वारा निर्मित, आर महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस के साथ, अमरन मेजर मुकुंद वरदराजन और उनकी पत्नी सिंधु की दिल को छू लेने वाली और प्रेरक कहानी बताती है। यह फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' 5 दिसंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' 05 दिसंबर को रिलीज होगी। वर्ष 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, 'पुष्पा 2: द रूल' पहले 06 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 05 दिसंबर को रिलीज होगी। अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया पर पुष्पा 2 : द रूल का एक नया पोस्टर शेयर किया है। चिल्लम पीते हुए पुष्पाराज अपने हाथ में पकड़े बंदूक को निहार रहे है। वह नोटों की गड्डी के सामने खड़े हुए हैं। अल्लू अर्जुन ने हैशटैग में 'पुष्पा 2 : द रूल ऑन 05 दिसंबर लिखा है। 'पुष्पा 2: द रूल' पुष्पा राज की दिलचस्प यात्रा को पेश करेगी, जब वह स्मगलिंग और शक्ति की जोखिम भरी दुनिया में प्रवेश कर रहा होगा। अल्लू अर्जुन ने इस किरदार को निभाया है, और इस बार कहानी में ज्यादा गहराई होगी। फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल भी हैं। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2:द रूल 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मैं 50 वर्ष बाद भी काम कर पाऊंगी : शबाना आजमी

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड में 50 वर्ष पूरे कर चुकीं दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी का कहना है कि वह अब भी सोचती हैं कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। आजमी (74) पार जैसी गंभीर विषय पर आधारित फिल्मों में तो रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी हल्के फुल्के हास्य आधारित फिल्म में विविधतापूर्ण फिल्मों के लिए दर्शकों की प्रशंसा पा चुकी हैं। वह अब भी अभिनय का सफर जारी रखना चाहती हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, जब मैंने 50 साल पहले काम शुरू किया था, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि 50 साल बाद भी मैं काम कर पाऊंगी, इसलिए यह वाकई बहुत अच्छा लगता है। मुझे उम्मीद है कि मैं काम करती रहूंगी, क्योंकि अभिनय ही वह काम है, जिससे मुझे सबसे ज्यादा आनंद मिलता है। लगभग 150 फिल्मों में काम कर चुकीं आजमी ने कहा कि उन्होंने अभी शुरुआत ही की है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि मेरा करियर सही समय पर सही जगह पर है। मैं बहुत भाग्यशाली रही हूं। आजमी छह बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वालीं एकमात्र अभिनेत्री हैं। उन्हें अंकुर, अर्थ, भावना, खंडहर, पार और गॉडमदर के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। भारत में समानांतर सिनेमा के क्षेत्र में अग्रणी रहने वालीं आजमी ने कई व्यावसायिक फिल्मों में भी मुख्य भूमिका निभाई है। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी काम किया है, जिनमें स्टीवन स्पीलबर्ग की हेलो, शेखर कपूर की व्हाट्स लव गॉट्टा डू विद इट, रॉबर्टो बेनिग्निस अभिनीत सन ऑफ द पिंक पैंथर और मर्चेंट आइवरी की इन कस्टडी शामिल हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट्। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

सांसारिक भोग कटु फल देने वाले हैं : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र के 19वें अध्याय मृगपुत्रीय की विवेचना करते हुए कहा कि यह अध्याय में सुग्रीव नगर के युवराज मृगपुत्र पर आधारित है। पिछले अध्यायों से इस अध्याय की विशेषता यह है कि इसमें नरक और नरक की वेदना का वर्णन हुआ है। एक बार युवराज मृगपुत्र अपने महल में गवाक्ष में बैठा नगर की चहल-पहल देख रहा था। उसकी दृष्टि एक मुनि पर पड़ी। उस मुनि को देखकर उसे जाति स्मरण ज्ञान हो जाता है कि वह भी उसी प्रकार एक श्रमण था। पूर्व जन्म की स्मृति के कारण वह संसार से विरक्त हो जाता है। माता-पिता से दीक्षा की अनुमति मांगता है। माता-पिता के यह कहने पर कि श्रमणाचार का पालन करना तलवार की धार पर चलना है, मृगपुत्र कहता है मेरी आत्मा ने नरकों में ऐसे कष्ट भोगे है जिनका शतांश भी मानव लोक में नहीं है। पुत्र के दृढ़ संकल्प और तीव्र वैराग्य को जानकर माता-पिता ने दीक्षा की अनुमति दे दी। दीक्षित होकर मृगपुत्र ने उत्कृष्ट तप-साधना करके संसार से मुक्ति प्राप्त की।

उन्होंने कहा हमारे आगमों में चार अनुयोग बताए गए हैं द्रव्यानुयोग यानी तत्व की चर्चा, गणितानुयोग यानी संख्याएं, चरणकरणानुयोग यानी साधक को दिनचर्या, संयम चर्या को क्रमशः निभाना चाहिए, उसकी चर्चा और धर्मकथानुयोग यानी जिन्होंने जीवन में धर्म को अपनाकर जीवन में लक्ष्य की तरफ बढ़ गए, उसका संदर्भ। ये चारों योग आगमों में अलग-अलग रूप से उपलब्ध है। लेकिन इन चारों के विषय का सुंदर रूप से प्रतिपादन उत्तराध्ययन सूत्र में हुआ है।

उन्होंने कहा जब संतों को देखना है तो उनके चरणों की ओर, पात्रों की ओर देखना, उनके चेहरे की ओर नहीं देखना। उन्होंने कहा आज स्थिति यह है कि हम जीवन में सिकुड़ते जा रहे हैं। हम नाम को भी छोटा कर व्यक्तित्व की पहचान को कम कर रहे हैं। आज नाम में ही नहीं, स्वभाव में भी फरक आ गया है। हम प्राचीन संबोधन करके तो देखें, यह मात्र औपचारिकता नहीं है। यह एक दूसरे के प्रति सम्मान का विषय है। हमारे घर के वातावरण के कारण लघुकर्मी भी भारीकर्मी बन जाता है।

उन्होंने कहा जो विषय भोग है, वे कटु फल देने वाले हैं और अनुबंध परम्परा में विषफल के समान दुःख देने वाले हैं। इसीलिए यह शरीर अनित्य है। जिस प्रकार हमें सफर में साथ में भाता लेकर चलना चाहिए, वैसे ही जीवन यात्रा में धर्म का भाता साथ में लेकर चलना चाहिए। जो कमजोर, कायर है, उनके लिए यह संयम यात्रा कठिन है। मजबूत व्यक्ति के लिए यह कठिन नहीं है। संसार में जितने भी भ्रमणशील प्राणी है, वे कष्ट प्राप्त करते ही हैं। हम इस सूत्र का अनुसरण कर जीवन में आगे बढ़ें।

शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र के लाभार्थी सुरेश लुनावत एवं दिलीप मरलेचा परिवार थे। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

ट्रेंडसेटर 'वी-प्रेनेयर' ग्रुप ने जानी उपहार पैकिंग की उपयोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो ट्रेंडसेटर ऑल वुमेन रेफरल ग्रुप वी-प्रेनेयर की आधिकारिक बैठक चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में हुई जिसमें जिस्टल गिफ्ट की मालिक सीमा जैन ने 8 मिनिट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित सदस्यओं को अपने व्यापार के बारे में बताते हुए कहा कि एक गिफ्ट पैकिंग एंटरप्रेन्योर के रूप में, रचनात्मकता और विस्तार पर ध्यान बेहद जरूरी है।

हर पैकिंग में सही रंगों का चुनाव, बेहतरीन पेपर, रिबन और सजावट का उपयोग तोहफे की खूबसूरती को बढ़ा देता है। गिफ्ट पैकिंग एक ऐसी कला है, जो किसी साधारण तोहफे को खास और यादगार बना देती है। हर खास मौके पर खास पैकिंग करने से न केवल गिफ्ट की वैल्यू बढ़ती है, बल्कि यह भावनाओं को भी सुंदर ढंग से व्यक्त करता है। हर तोहफा खास होता है, और इसे विशेष रूप से प्रस्तुत करना उनके काम का अहम हिस्सा है। सीमा जैन ने सभी उपस्थित सदस्याओं को विशेष दीपावली उपहार दिया। नीलम शांड ने किरण जैन का परिचय देते हुए उन्हें सदस्य पद की शपथ दिलाई। लताशा भंडारी ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

नेत्र शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कोंडीतोप के अविशा स्माइल में 23 अक्टूबर को नेमीचन्द सिंघवी संगम समूह और एमएन आई हॉस्पिटल टी के सहयोग से आठवां नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 57 रोगियों ने आंखों का परीक्षण करवाया जिसमें से 18 रोगियों को चश्मे दिए गए। यह शिविर महिपाल सिंघवी, अजय ओस्तवाल, रंजीत शाह, डॉ. योगिता, हितेश की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अगला नेत्र शिविर 27 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा।

धर्मगुरू दीवान साहब ने किया भूमि पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीरवी समाज ट्रस्ट तंडियारपेट द्वारा कोशापुर में खरीदी गई भूमि का पूजन किया गया। तंडियारपेट संस्था के अध्यक्ष दुर्गाराम गहलोत ने बताया कि सीरवी समाज तंडियारपेट ट्रस्ट द्वारा कोशापुर क्षेत्र में समाज भवन निर्माण के लिए भूमि खरीदी गई थी। जिसका भूमि का पूजन दिनांक 23 अक्टूबर को धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के करकमलों द्वारा विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ। समाज बंधुओं ने धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का माला पहनाकर स्वागत किया गया। धर्मगुरू दीवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म के रास्ते पर चलने वाला व्यक्ति जीवन में कभी असफल नही होता है। उन्होंने कहा कि भले ही केसी भी समस्या आ जाएं इंशान को धर्म रास्ता नहीं छोडना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष कानाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष रामलाल गेहलोत, सचिव कालूराम काग, सहसचिव मोहनलाल देवड़ा और गोपीलाल काग, कोषाध्यक्ष मूलाराम चावंडिया, सहकोषाध्यक्ष मांगीलाल परिहारिया और लखाराम बर्फा एवं सलाहकार हीरालाल हाम्बड, रूगाराम मुलेवा, पेमाराम सोलंकी, मेघाराम चोयल, मोहनलाल काग सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

खुशियों की दिवाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद एवं किशोर मंडल राजाजीनगर द्वारा 'खुशियों की दिवाली' के मौके पर हुनसनाहल्ली कृष्णापुरादोद्दी रामनगरा स्थित शकुंतला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दारीदीपा ओल्ड एज होम में निवासित वरिष्ठ जनों को दीपावली केगिफ्ट बॉक्स व आश्रम को दैनिक उपयोग हेतु 50 स्टील की ग्लास, 50 चमच्च एवं 2 नॉन-स्टिक तवा भेंट किए गए। इस अवसर पर सभा उपाध्यक्ष शंकरलाल दक, मंत्री चंद्रेश मांडोत, सतीश पोरवाड, अरविंद गन्ना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आपके भाग्य-पुरुषार्थ का फल आपको मिलकर ही रहेगा : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आत्मा ही अपनी कर्मो की कर्ता और भोक्ता है। आत्मा ही जीव को सुखी और दुःखी बनाने वाली हैं। जहाँ संसार में शुभ कर्म के शुभ फल और अशुभ कर्म के अशुभ फल मिलते हैं। आम बोऐंगे तो आम और नीम बोएंगे तो नीम ही मिलेगा। नीम का बीज बोकर आम के फल की चाह करना व्यर्थ है, बेकार है, अतः व्यक्ति सत्कर्म-पुरुषार्थ करते हुए अपने भाग्य तकदीर पर हमेशा भरोसा रखें। जो आपके तकदीर, भाग्य में होगा वो अवश्य ही आपको मिलकर ही रहेगा। किसी देव में भी यह ताकत नहीं कि वो आपसे इसे छीन ले। लेकिन आपके भाग्य से ज्यादा आपकी स्वयं भगवान भी नहीं दे सकते हैं। इसके लिए हमेशा अपने कर्म-पुरुषार्थ पर अपनी धर्म करणी, प्रभु के सिद्धान्त पर विश्वास, दृढ़ आस्था रखे। ज्यादा श्रम-मेहनत पुरुषार्थ करने पर भी यदि कभी इंसान को उसका मेहनत का पूरा फल, सुखद इच्छित परिणाम नहीं मिलता है तो उसे अपने कर्म मेहनत से और अपने जीवन से हताश होने की, दुःखी. हैरान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि आपके भाग्य प्रबल होने पर जरूर आपको अपने जीवन में किए श्रम की, सत्कर्म की पुरुषार्थ मेहनत का फल अवश्यमेव मिलकर ही रहेगा। हम जैसे भी हैं, उसका कारण भी हम स्वयं, हमारे किए कर्म ही है। श्रद्धा और विश्वास की ही फसल पकती है। संसार में सुख-दुःख परिवर्तनशील हैं।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के पच्चीसवें 'यज्ञीय अध्ययन' पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संसार की विचित्र स्थिति है, जो एक, एक को खाने के लिए कटिबद्ध बना हुआ है। बलवान दुर्बल को खाने में आनंद मानता है, रक्षा करने में नहीं। वह उसको खाता है, उसको कोई और खाता है। संसार में जीवों की ऐसी ही दुर्दशा हो रही है। महा शक्तिशाली मृत्युरूप राक्षस इस समस्त जगत को ग्रास बनाने में लगा हुआ है। यही गंभीर दशा, चिन्तनीय स्थिति इस संसार की शाश्वत सत्यता की प्रकट कर रही है। जैसे हर बड़ी मछली अपने से छोटी मछली की अपना आहार-भोजन मानती है। ऐसी ही स्थिति इस संसार की है। प्रत्येक सबल व्यक्ति, निर्बल व्यक्ति पर शासन करना अपना वह अधिकार समझता है। इस प्रकार बड़े के निम्न निबल को दबाने की चाह में वह मदान्ध, मोहान्ध बेभान होकर रहता है और अपने मृत्यु-काल को भी भूला बैठा है। लेकिन याद रखें काल तो सबका ही आता है। संचालन संघमंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन की चांसलर ऑफ एक्सचेकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

वाशिंगटन/भाषा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन की चांसलर ऑफ एक्सचेकर रेचल रीव्स के साथ बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय बैठक की। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों से इतर दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। सीतारमण ने रेचल रीव्स के पहले बजट के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं, जो चुनाव के बाद अगले सप्ताह पेश होने जा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर जानकारी दी कि सीतारमण ने कहा कि भारत अगले साल पहली छमाही में लंदन में होने वाली अगली आर्थिक व वित्तीय वार्ता का उत्सुकता से इंतजार कर रहा है। उन्होंने यूरोपीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (ईबीआरडी) के अध्यक्ष ओडिले रेनॉड-बासो के साथ भी बैठक की और भारत तथा ईबीआरडी के बीच सफल सहयोग को रेखांकित किया।

मंत्रालय ने 'एक्स' पर अलग पोस्ट में बताया, ओडिले रेनॉड ने भारतीय निजी क्षेत्र के साथ और अधिक जुड़ाव के जरिये इस सहयोग को आगे बढ़ाने के महत्व पर बल दिया। सीतारमण ने बाद में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष पद के लिए जापान के उम्मीदवार मासातो कांडा से भी मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने कांडा को बताया कि भारत उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करता है और उन्हें एडीबी के अगले अध्यक्ष के रूप में देखने की उम्मीद करता है।

निर्मल आत्मा ही दुर्गुणों का क्षय करती है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ तथा 45 जाप किया तथा अपने प्रवचन में कहा कि 'प्रज्ञापना भगवती' ग्रंथ 2200 वर्ष पूर्व आचार्यश्याम दस पूर्वधारी द्वारा रचा गया। ज्ञान का समुन्द्र रूप अथाह तत्वनिरुपण द्वारा प्रज्ञा की तेजधार से आत्मा में रहे दुर्गुणों का विच्छेदन- छेदन कर निर्मल आत्मा प्रगट कराती है। ऐसी प्रज्ञा जहाँ सिद्धत्व का संकेत पल पल में मिलता है। बाहय भौतिकता से भरा वैभव-संसार प्रकृति के क्षणिक भूकंपादि अतिवृष्टि से विनष्ट हो सकता है। मृत्यु कहती है कि मैं तो मात्र आत्मा को शरीर से अलग करती हूँ। 2 नवम्बर को उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्ययन मूल पाठ का पूरा पारायण मुनिश्री द्वारा किया जाएगा।

शपथ

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शुक्रवार को चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई।

'नमस्कार महामंत्र सबसे बड़ा मंत्र माना गया है'

मंड्या/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में सुभाष नगर में 'जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि जैन धर्म में नमस्कार महामंत्र को सब से बड़ा मंत्र माना जाता है और भी अनेक मंत्र है, जिन मंत्रों पर हमारी श्रद्धा व आस्था है। साध्वीश्री ने कहा कि कार्तिक अमावस्या को जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर दिपावली मनाई जाती है, इसलिए इस दिन उपवास एकासना व जैन मंत्रों की आराधना करनी चाहिए। संस्कारक जितेन्द्र गोषाल, विक्रम दुगड़, अरविंद बैद ने दीपावली पूजन की जैन संस्कार विधि बताई। इस अवसर पर संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। तेयुप के सदस्यों ने धन्यवाद दिया।

गांधी बने जैन साहित्य संगम के अध्यक्ष, चावत बने महामंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । नवगठित संस्था जैन साहित्य संगम का गठन हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य जैन परिवारों में छुपी हुई साहित्यिक प्रतिभाओं को निखारना है। सर्व सहमति से दिलीप गांधी को अध्यक्ष व राजेश चावत को महामंत्री पद पर चयनीत किया गया। संरक्षक हंसराज मुणोत ने बताया कि सोमवार को तेरापंथ भवन गांधीनगर में शपथ ग्रहण होगा। मुणोत ने सदस्यों को जोड़ने पर बल दिया। महामंत्री राजेश चावत ने आगामी गतिविधियों के बारे में बताया। सहमंत्री सुमित्रा बरडिया, संगठन मंत्री महेंद्र टेबा, कोषाध्यक्ष लाभेश कंसवा, प्रचार-प्रसार मंत्री टीना मांडोत ने विचार व्यक्त किए।

रोजगार सृजन सबसे बड़ा वैश्विक मुद्दा : निर्मला सीतारमण

वाशिंगटन/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को सबसे बड़ा वैश्विक मुद्दा बताते हुए, विश्व बैंक से रोजगार सृजन करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने के लिए देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। सीतारमण 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए अधिक नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में अपनी बात रख रही थीं।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर जानकारी दी, '' सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.